RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:253 ता. 04 अप्रेल 2023, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

दिल्ली में चलेंगी जीपीएस से लैस बाइक टैक्सी, केजरीवाल सरकार ने तय किए ये 5 नियम

नई दिल्ली। दिल्ली में बाइक टैक्सी चलाने के लिए कॉमर्शियल कैटेगरी में रजिस्ट्रेशन कराने के साथ ही जीपीएस लगवाना अनिवार्य होगा। सस्ते सफर और आखिरी छोर तक पहुंच के लिए बाइक टैक्सी को जल्द कानूनी मंजूरी मिलेगी। दिल्ली परिवहन विभाग की ओर से ऐप बेस्ड बाइक टैक्सी सेवा प्रदान करने वाली योजना को कानून विभाग से मंजूरी मिल गई है। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने बताया कि एग्रीग्रेटर योजना को

कानून विभाग के पास भेजा गया था, कानून विभाग ने उसे मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि मई तक बाइक टैक्सी को सड़कों पर चलाने की मंजूरी दिए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। नीति में इसका पूरा ख्याल रखा गया है। फिलहाल दिल्ली में बाइक टैक्सी पर पाबंदी है।

निजी बाइक नहीं चला सकेंगे - वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभी लोग निजी दोपहिया वाहन को टैक्सी के रूप में चला रहे हैं। नीति में यह संभव नहीं होगा। कॉमर्शियल कैटेगरी में रजिस्ट्रेशन के साथ नंबर प्लेट भी काली पीली होगी। इसके अलावा बाइक टैक्सी चलाने वाली कंपनी को कुल दोपहिया वाहनों में 10 फीसदी ई-दोपहिया रखने होंगे। चालू वित्त वर्ष में 25 फीसदी, दो साल में 50, तीन साल में 75 और चार साल में 100 फीसदी इलेक्ट्रिक दोपहिया को बेड़े में शामिल करने होंगे।

ऐप पर चालक की जानकारी देनी होगी- बाइक टैक्सी के लिए परमिट लेना होगा। बुकिंग के समय ऐप पर चालक की जानकारी उपलब्ध देनी होगी। चालकों का पुलिस वैरिफिकेशन जरूरी होगा। परिवहन विभाग निगरानी रखेगा। कंपनियों को 24 घंटे चलने वाले नियंत्रण कक्ष बनाने होंगे।

बीएसपी के नेता तोड़े और अब मायावती के गुरु पर दावा, दलितों पर वोटों पर क्लेश बढ़ा रहे अखिलेश

अब तक अखिलेश यादव को लेकर एक वर्ग कहता था कि वह ओबीसी की राजनीति तो करते हैं, लेकिन दलितों को नहीं साध पा रहे। माना जा रहा है कि इसी धारणा को बदलने के लिए अखिलेश यादव अब सक्रिय हैं।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बीते 4 चुनावों से लगातार हार झेल रही समाजवादी पार्टी ने अब वोट बैंक का गणित नए सिरे से साधना शुरू कर दिया है। अब तक पिछड़ी बिरादरियों की गोलबंदी करने वाले अखिलेश यादव ने दलित वोटों पर भी फोकस बढ़ा दिया है। पिछले कुछ सालों में उन्होंने स्वामी प्रसाद मौर्य, रामअचल राजभर, दारा सिंह चौहान जैसे बसपा के दिग्गज रहे पिछड़े और दलित नेताओं को पार्टी में शामिल किया है। अब वह मायावती के गुरु रहे कांशीराम पर भी नजर गड़ाए हुए हैं। अब तक अखिलेश यादव को लेकर एक वर्ग कहता था कि वह ओबीसी की राजनीति तो करते हैं, लेकिन दलितों को नहीं साध पा रहे। माना जा रहा है कि इसी धारणा को बदलने के लिए अखिलेश यादव अब सक्रिय हैं। इसी कड़ी में आज वह रायबरेली के महामायानगर स्थित मान्यवर कांशीराम महाविद्यालय जा रहे हैं। यहां अखिलेश यादव दलित नेता रहे कांशीराम की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। कभी कांशीराम और मुलायम सिंह यादव के बीच अदावत हुआ करती थी, लेकिन अब आंबेडकरवादियों और लोहियावादियों को साथ लाने की बात अखिलेश करते हैं। ऐसे में उनका कांशीराम की प्रतिमा का अनावरण करना बदलती राजनीति का संकेत है। उत्तर प्रदेश में दलित आबादी करीब 20 फीसदी मानी जाती है।

बदल गई सपा? माया के गुरु कांशीराम की प्रतिमा का अनावरण करेंगे अखिलेश

साफ है कि यदि कोई चुनावी मैच बराबरी पर फंस रहा हो तो दलित वोट बैंक ही हार और जीत का फैसला कर सकता है। शायद अखिलेश भी मानते हैं कि 2022 के चुनाव में उनके पास यही एक कमी रह गई थी वरना वह भाजपा को कड़ी टक्कर दे सकते थे। अखिलेश यादव ने फिलहाल मायावती के करीबी रहे स्वामी प्रसाद मौर्य को ही दलित समाज में पैठ के लिए सूत्रधार बनाया है। रायबरेली के आयोजन में भी स्वामी प्रसाद मौर्य का ही योगदान है। वह जिले की ऊंचाहार सीट से विधायक रहे हैं। उनके बेटे उत्कृष्ट मौर्य भी यहां से चुनाव लड़ चुके हैं। जिले में अच्छी खासी दलित आबादी है, जिनके बीच स्वामी प्रसाद मौर्य का हमेशा से जनाधार रहा है।

स्वामी की अगुवाई में हो रहा रायबरेली का आयोजन

सपा सूत्रों का कहना है कि रायबरेली में अखिलेश यादव के अलावा स्वामी प्रसाद मौर्य मुख्य वक्त होंगे। दोनों नेता अपने भाषणों में यादव, ओबीसी, दलित एकता पर जोर दे सकते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा ने मायावती के साथ गठबंधन किया था। लेकिन अब अखिलेश यादव बीएसपी संग गठजोड़ से ज्यादा वैचारिक जमीन तैयार कर दलितों तो साथ लाने पर ज्यादा जोर दे रहे हैं। अखिलेश कई बार दोहरा चुके हैं कि बीएसपी अब कांशीराम के आदर्शों पर नहीं चल रही है। अब समय है कि हम 1993 से पहले के दौर में आएं और इतिहास दोहरा दें।

पश्चिमी विक्षोभ का असर, मार्च में 200 प्रतिशत अधिक बारिश से दिल्ली हुई तर-बतर

नई दिल्ली। एक के बाद एक तीन पश्चिमी विक्षोभों के चलते राजधानी दिल्ली में मार्च में सामान्य से 200 फीसदी अधिक बारिश हुई। 40 वर्षों में यह चौथी बार है जब सबसे अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई है। हालांकि, मार्च के पहले पखवाड़े में गर्मी ने भी रिकॉर्ड बनाया। दिल्ली में इस बार मार्च मौसम के दो अलग-अलग रंग लेकर आया। फरवरी सामान्य से गर्मी रही। इसके बाद मार्च में भी गर्मी का तेवर बरकरार रहा। पहले पखवाड़े में लगातार अधिकतम तापमान सामान्य से तीन से पांच डिग्री अधिक दर्ज किया गया। 16 मार्च सबसे ज्यादा गर्म रहा। इस दिन अधिकतम तापमान 34.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लेकिन, इसके बाद से ही दिल्ली के मौसम पर पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता रही। दूसरे पखवाड़े के सात दिन बारिश वाले रहे। इस दौरान कुल 53.2 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। जो कि सामान्य से 206 फीसदी अधिक है। मौसम विभाग के मुताबिक, मार्च में दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में 17.4 मिलीमीटर सामान्य बारिश दर्ज की जाती है। हालांकि मार्च का औसत तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक रहा। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में मार्च का औसत अधिकतम तापमान 29.9 डिग्री सेल्सियस रहता है। लेकिन, इस बार 30.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। वहीं, सामान्य तौर पर न्यूनतम तापमान 15.6 डिग्री सेल्सियस रहता है। इस बार औसत न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस यानी 0.6 डिग्री अधिक रहा।

मार्च में बारिश का रिकॉर्ड

वर्ष	बारिश (मिलीमीटर में)
2020	109.6
2015	97.4
2007	61.1
2023	53.2

(नोट आंकड़े मौसम विभाग के हैं और वर्ष 1983 से लेकर 2023 तक के मार्च के हैं)

आज राजधानी में हल्की बूंदाबांदी के आसार

अप्रैल की शुरुआत के बाद भी फिलहाल गर्मी से राहत रहेगी।

देश के 100 साल से अधिक पुराने बांधों को लेकर संसदीय समिति ने जताई चिंता

नई दिल्ली। देश के पुराने बांधों की सुरक्षा पर एक संसदीय समिति ने चिंता व्यक्त की है। संसदीय समिति ने कहा है कि भारत में 234 बड़े बांध हैं जो 100 साल से अधिक पुराने हैं। उनमें से कुछ बांध ऐसे हैं, जिन्हें बने हुए 300 साल हो गए हैं, लेकिन अभी तक इनमें से किसी भी बांध को सेवामुक्त नहीं किया गया है।

संसदीय समिति ने संसद में पेश की रिपोर्ट-बता दें कि संसदीय समिति ने 20 मार्च को संसद को एक रिपोर्ट सौंपी है। जल शक्ति मंत्रालय ने सिफारिश की है कि बांधों के जीवन और संचालन का आकलन करने और एक व्यवहार्य तंत्र विकसित करने के लिए उपयुक्त उपाय किए जाएं और राज्यों को उन बांधों को बंद करने के लिए राजी किया जाए। जो अपनी उम्र पूरी कर चुके हैं।

एक लंबी प्रक्रिया है बांध को सेवामुक्त करना-दरअसल, बांध को सेवामुक्त करना एक बहुत लंबी प्रक्रिया है, जिसमें जल-विद्युत उत्पादन सुविधाओं को हटाना और जलग्रहण क्षेत्रों में पारिस्थितिक रूप से व्यवहार्य हस्तक्षेपों के माध्यम से नदी

चैनलों को फिर से बनाना शामिल है। चूंकि बांधों का जीवनकाल है, इसलिए अमेरिका सहित कुछ देशों ने अपने बांधों को बंद कर दिया है और नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल कर दिया है।

100 साल के लिए किया जाता है बांधों को डिजाइन-हालांकि, बांधों को आम तौर पर 100 साल की उपयोगी उम्र के लिए डिजाइन किया जाता है और उनका कार्यात्मक जीवन भी प्रगतिशील जलाशय के साथ-साथ परियोजना लाभों को कम करने के साथ कम हो जाता है, लेकिन भारत में अभी तक किसी भी बांधों को बंद नहीं किया गया है।

बांध सुरक्षा रहा एक बड़ा मुद्दा-बताते चलें कि देश में बांध सुरक्षा हमेशा से एक मुद्दा रहा है, जिनमें गुजरात के मोरबी का माचू बांध शामिल हैं। यहां 36 बांध आपदाएं आई हैं, जहां 1979 में लगभग 2,000 लोग मारे गए और 12,000 से अधिक मकान नष्ट हो गए थे। मंत्रालय ने समिति को सूचित किया है कि बांधों के व्यवहार्य जीवन और प्रदर्शन का आकलन करने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। हालांकि, बांधों का नियमित रखरखाव उनके स्वास्थ्य मूल्यांकन और सुरक्षा के लिए किया जाता है।

जाम के झाम में फंसी दिल्ली, सरोजिनी नगर मार्केट को जोड़ने वाले 17 रास्ते बंद

नई दिल्ली। दिल्ली इन दिनों जगह-जगह पर जाम के झाम से जूझती दिख रही है। सड़कों की मरम्मत और निर्माणाधीन कार्यों के चलते लोगों को अपने गंतव्य तक जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा ही हाल दिल्ली के सबसे अधिक भीड़भाड़ वाले बाजारों में से एक सरोजिनी नगर देखा जा सकता है। तमाम शिकायतों और बैठकों के बाद भी दिल्ली के सरोजिनी नगर मार्केट में जाम की समस्या जस की तस बनी हुई है। व्यापारियों का कहना है कि बैठकों में चर्चा होती है और सहमति बनती है, लेकिन उसके आगे कुछ नहीं। लंबे समय से बाजार को जोड़ने वाले 17 रास्ते बंद हैं, जिससे बाजार आने-जाने वाले लोगों को परेशानी होती है। ट्रैफिक पुलिस, एनडीएमसी और एनबीसीसी से कई दौर की वार्ता होने के बाद भी कोई परिणाम नहीं निकाला है। ऐसे में वीकेंड के दिनों में बाजार में जाना किसी मुसीबत से कम नहीं है। नेशनल

बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनबीसीसी) की तरफ से बहुमंजिला बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें आवासीय और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की सुविधा भी होगी। निर्माण के चलते बाजार को जोड़ने वाले 17 रास्ते बंद हैं, जिसके चलते लोगों को घूम कर आना पड़ता है।

आ गई कोरोना की चौथी लहर? सिर्फ एक सप्ताह में दोगुने हो गए नए केस

नई दिल्ली। कोरोना की बढ़ती रफ्तार टेंशन दे रही है। शनिवार को 24 घंटे में ही देश में 3800 कोरोना के नए मामले सामने आ गए। बीते सात दिनों में संक्रमण की दर कोरोना की तीसरी लहर को भी पीछे छोड़ चुकी है। जनवरी 2022 में कोरोना की तीसरी लहर आई थी। उसके बाद अब सबसे ज्यादा तेजी से संक्रमण फैल रहा है। बता दें कि 26 मार्च से 1 अप्रैल तक के सप्ताह में कोरोना के कुल 18450 नए केस सामने आ गए। यह उससे पहले वाले सप्ताह से दो गुना हैं। इस हिसाब से अगर डबलिंग टाइम देखें तो यह कम होकर एक सप्ताह हो गया है जो कि चिंता का कारण बना हुआ है। तीसरी लहर के दौरान संक्रमण का

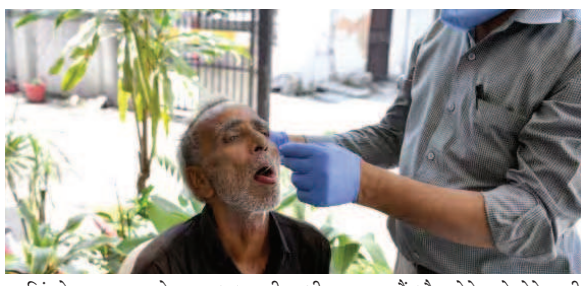

डबलिंग रेट एक सप्ताह से ज्यादा था। दूसरी तरफ राहत की बात यह है कि डबलिंग टाइम भले ही कम हो गया हो लेकिन रोज सामने आने वाले कोरोना के मामले अब भी बहुत कम हैं और कोरोना से होने वाली मौतें बहुत कम है। बीते एक सप्ताह में कोरोना संक्रमण से 36 लोगों की जान गई थी। केरल गोवा और राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामले सबसे तेजी से बढ़े हैं। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी तेजी से कोविड के मामलों में इजाफा हुआ है। इनमें से ज्यादातर राज्यों में एक सप्ताह पहले के मुकाबले बीते सप्ताह में कोरोना के मामले तीन गुना ज्यादा तक सामने आए। हिमाचल प्रदेश में ही 409 से बढ़कर कोरोना के मामले 1200 हो गए। महाराष्ट्र और गुजरात में भी कोरोना केस तेजी से बढ़े हैं। कर्नाटक और तमिलनाडु में भी कोविड के केस लगातार बढ़ रहे हैं। महाराष्ट्र में एक सप्ताह में कोरोना के मामलों में 72 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। शनिवार को पूरे देश का पॉजिटिविटी रेट 2.3 फीसदी था।

केरल में आतंकी साजिश! चलती ट्रेन में 3 लोगों को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया

तिरुवंतपुरम। केरल के कोझिकोड में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, रविवार देर रात एक सिरफिरे यात्री ने दूसरे यात्रियों पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इस घटना से ट्रेन की बोगी में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में तीन लोग चलती ट्रेन से कूद गए। इस दिल दहला देने वाली घटना में शिशु समेत तीन लोगों की मौत हो गई है जबकि 9 लोग बुरी तरह झुलस गए हैं। पुलिस को पटरियों के पास से एक बैग मिला है, जिसमें पेट्रोल की एक बोतल और दो मोबाइल फोन थे। पुलिस का कहना है कि आतंकी एंगल से इनकार नहीं किया जा सकता है। घटना रविवार रात करीब 9.50 बजे केरल से कोझिकोड रेलवे स्टेशन के पास बताई जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कोझिकोड रेलवे स्टेशन के पास अलपुझा-कन्नूर एक्सप्रेस के डी-1 कोच में एक अज्ञात व्यक्ति ने सह-यात्रियों पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इससे ट्रेन में

अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में कुछ लोग बोगी से कूद गए। इसमें एक शिशु समेत तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों के शव पटरियों से बरामद हुए हैं। इस हृदय विदारक घटना में नौ लोग झुलस गए। जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

आतंकी एंगल-पुलिस के मुताबिक, मृतकों में दो की पहचान तौफीक और रेहाना के रूप में हुई है। पुलिस ने आतंकी एंगल से इंकार नहीं किया क्योंकि उन्होंने पटरियों से एक बैग बरामद किया जिसमें पेट्रोल की एक और बोतल और दो मोबाइल फोन थे। एक चश्मदीद के मुताबिक, कोरापुझा नदी के किनारे एक पुल पर ट्रेन के रुकने के तुरंत बाद, एक तीस वर्षीय व्यक्ति उसमें से कूद गया और एक बाइक पर भाग गया जो उसका इंतजार कर रहा था। पुलिस ने पास के एक घर के सीसीटीवी फुटेज से हमलावर के दृश्य बरामद किए हैं और घटना को एक सुनियोजित हमला होने का संदेह जताया है।

मानहानि केस में दोषी राहुल को सूरत कोर्ट से मिली राहत

- जमानत के साथ मिली नई तारीख, अब 13 अप्रैल को होगी सुनवाई

सूरत (एजेंसी)। राहुल गांधी ने सूरत की सेशन कोर्ट में सोमवार को दो अर्जी लगाई। एक मानहानि केस में मिली सजा को रद्द करने के लिए थी, जबकि दूसरी में रेगुलर बेल मांगी गई। कोर्ट ने राहुल को जमानत दे दी है। सुनवाई के लिए 13 अप्रैल की तारीख तय की है। राहुल की केस रद्द करने की अर्जी पर 3 मई को सुनवाई की तारीख तय की है। अपील करने के लिए राहुल गांधी के साथ बहन प्रियंका गांधी भी सूरत पहुंचीं। राहुल के दिल्ली से सूरत रवाना होने से पहले सोनिया गांधी सुबह साढ़े 10 बजे उनसे मिलने पहुंचीं। 1 घंटे बाद राहुल सूरत के लिए निकल गए। राहुल के अलावा प्रियंका गांधी, राजस्थान,

छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश के सीएम भी सूरत आए हैं। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने राहुल के आने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की। 23 मार्च को मानहानि केस में राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई गई थी। सजा का ऐलान होने के कुछ देर बाद ही उन्हें 30 दिन की जमानत दे दी गई थी। सजा सुनाए जाने के अगले ही दिन लोकसभा से उनकी सदस्यता रद्द कर दी गई थी। राहुल केरल के वायनाड से सांसद थे। इधर, केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। रिजिजू ने कहा- जब आपका (राहुल गांधी) ट्रायल चला तब आपने अपील क्यों नहीं की। कोर्ट ने जब आपको दोषी करार दे दिया, इसके बाद आप यह ड्रामा कर रहे हैं। यह कोर्ट पर दबाव बनाने के लिए ही है। कांग्रेस पार्टी पूरे के पूरे परिवार को देश से ऊपर मानती है। राहुल की संसद सदस्यता रद्द होने के बाद कांग्रेस पार्टी संसद के दोनों सदनों और देशभर में केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही है। राहुल गांधी के सूरत पहुंचने के दौरान भी पार्टी शक्ति प्रदर्शन की तैयारी में है। इसके लिए पार्टी के बड़े नेताओं के साथ दूसरे राज्यों के नेता-कार्यकर्ता भी सूरत पहुंच गए हैं। राहुल गांधी की सजा के खिलाफ पार्टी भी दो हिस्सों में बंटी हुई थी। एक धड़ा चाहता था कि राहुल फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएं।

सफेद सोने के भंडार से बदलेगी भारत की किस्मत

- लिथियम के बड़े भंडार की निकासी में अब चिली करेगा सहयोग

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में मिले लिथियम के बड़े भंडार की निकासी में चिली ने सहयोग करने की बात कही है। दुनिया में लिथियम के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक देश ने ऑफर दिया है कि यदि सरकार चाहे तो हम पार्टनर बन सकते हैं। इसके चलते चिली की ओर से टेक्निकल एक्सपर्ट्स मुहैया कराए जा सकते हैं ताकि आसानी से लिथियम का भंडार निकाला जा सके। जम्मू-कश्मीर में इसी साल की शुरुआत में 59 लाख टन लिथियम के विशाल भंडार के बारे में जानकारी मिली थी। सफेद सोना कहे जाने वाले लिथियम भंडार के मिलने को भारत के लिए बड़ी उम्मीद के तौर पर देखा जा रहा है। लिथियम का इस्तेमाल बैटरियों में होता है। इस तरह यदि लिथियम के इस भंडार का इस्तेमाल होता है तो फिर भारत में इलेक्ट्रिक कारों को

तैयार किया जा सकेगा। खासतौर पर चीन समेत कई अन्य देशों से आयात पर निर्भरता में बड़ी कमी आएगी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में मिले इस भंडार से राज्य के विकास को लेकर भी उम्मीदें जगी हैं। चिली के विदेश मंत्रालय के सेक्रेटरी जनरल एलेक्स वेट्जिग ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा, यदि भारत सरकार औपचारिक तौर पर संपर्क करती है तो हम तैयार हैं। उन्होंने शुक्रवार को ही भारतीय विदेश मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों के साथ मीटिंग की थी। इलेक्ट्रिक वीकल्स की बैटरियों में लिथियम का इस्तेमाल बड़ी मात्रा में होता है। इसके अलावा लैपटॉप और मोबाइल फोन्स में भी इनका यूज किया जाता है। यदि लिथियम बैटरी भारत खुद ही तैयार करने में सफल हो जाता है तो इलेक्ट्रिक वाहनों के मामले में आत्मनिर्भरता की ओर बड़ा कदम होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों का सबसे बड़ा हिस्सा बैटरी ही होता है। इस लिहाज से लिथियम का भंडार मिलने को इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चमत्कार के तौर पर देखा जा रहा है। लिथियम के लिए भारत अब तक ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना जैसे देशों पर निर्भर था। माना जाता है कि डीजल और पेट्रोल गाड़ियों से होने वाला प्रदूषण कम करने की दिशा में ये बेहद महत्वपूर्ण है। भारत सरकार ने तो 2030 तक इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी में बड़ा इजाफा करने का भी फैसला लिया है। इस लिहाज से लिथियम भारत की तैयारियों के लिहाज से भी अहम है। गौरतलब है कि चिली के पास दुनिया का 48 फीसदी लिथियम भंडार है।

सामान्य अपराध में नाबालिग आरोपी अब घर में ही रहेंगे...

- पश्चिम बंगाल में ममता सरकार ने बनाया नया कानून
- अब पूरे बंगाल में जुवेनाइल एक्ट संशोधन होगा लागू
- छोटे और गंभीर क्राइम वाले नाबालिग घर में ही रहेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। यह फैसला जुवेनाइल केस को लेकर लिया गया है। सरकार ने आदेश दिया है कि सामान्य अपराध करने वाले नाबालिगों को अब संप्रेक्षण गृह में नहीं रखा जाएगा बल्कि उन्हें घर में ही रहना होगा। इस आदेश के बाद गैर-जघन्य अपराधों के आरोपी किशोर अपराधी घर पर रखे जाएंगे। इसके साथ ही सरकार उनके पुनर्वास कार्यक्रम के दौरान माता-पिता के साथ रहने की अनुमति दे रहा है। ऐसे में बच्चों की काउंसलिंग की जाएगी और निगरानी में उनके पैरेंट्स के साथ ही घर पर रखा जाएगा। राज्य ने रविवार को डायवर्सन नाम का प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसके तहत यूनिसेफ और पश्चिम बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग साथ मिलकर एक बहु-हितधारक परामर्श शुरू किया। इसे 2021 के किशोर न्याय अधिनियम के तहत शुरू किया गया है। राज्य की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री शशि पांजा ने कहा, छोटे और गंभीर अपराध करने वाले बच्चों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाएगी... पुलिस सामान्य डायरी दर्ज करेगी और किशोर न्याय बोर्ड को सूचित करेगी। संशोधित नियम कहता है कि अगर 16 साल या उससे कम उम्र के बच्चे छोटा अपराध करते हैं तो उनसे और उनके अभिभावकों से उचित पूछताछ की जाएगी।

आप ताकतवर लोगों के खिलाफ ऐक्शन ले रहे, रुकना नहीं

सीबीआई से बोले पीएम मोदी, डायमंड जुबली कार्यक्रम में हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने सीबीआई के 60 साल पूरे होने के मौके पर अहम टिप्पणी की है। प्रधानमंत्री ने सीबीआई के कार्यक्रम में कहा, आपको कहीं पर भी रुकने की जरूरत नहीं है। मैं जानता हूं आप जिनके खिलाफ ऐक्शन ले रहे हैं वे बेहद ताकतवर लोग हैं, बरसों तक वे सरकार और सिस्टम का हिस्सा रहे हैं। आज भी वे कई जगह किसी राज्य में सत्ता का हिस्सा हैं लेकिन आपको अपने काम पर फोकस रखना है कोई भी भ्रष्टाचारी बचना नहीं चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की जनता को सीबीआई पर भरोसा है, उसने अपने कार्यकाल में लोगों को

भ्रष्टाचार से निपटने की एक उम्मीद दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सीबीआई ने अपने काम से आम लोगों को एक उम्मीद और ताकत दी है। सीबीआई पर लोगों का इस कदर भरोसा है कि उससे जांच की मांग को लेकर आंदोलन करते हैं। न्याय के एक ब्रांड के तौर पर सीबीआई ने खुद को स्थापित किया है। सीबीआई के डायमंड जुबली समारोह में पीएम मोदी ने कहा कि सीबीआई जैसे पेशेवर और काबिल संस्थानों के बिना देश आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों में बैंक फ्रॉड से लेकर अन्य तमाम मामले हुए हैं।

कूनो से भागे चीते का अब तक नहीं हो पाया रेस्क्यू

ग्रामीणों में छाई दहशत, वन अमला चीते को कूनो की ओर भेजने की कोशिश में जुटा

श्योपुर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क से निकलकर रिहायशी इलाके में पहुंचे चीते का अब तक रेस्क्यू नहीं किया जा सका है। ओवान नाम का ये चीता रविवार को झार-बड़ौदा गांव में घुस गया था। ये गांव कूनो नेशनल पार्क से करीब 20 किलोमीटर दूर है। हालांकि, जंगल की ओर लौट जाने के बाद चीता अब गांव के आसपास नहीं देखा गया है। वन विभाग की टीम चीते के पीछे चल रही है। चीता कूनो के बफर जोन वाले जंगल

में हैं। चीता जंगल से वापस गांव की ओर नहीं लौटा है, इससे ग्रामीणों ने राहत की सांस तो ली है, लेकिन उनमें अब भी दहशत देखी जा रही है। उसने एक गाय का शिकार भी किया था। वन अमला और चीता मित्र चीते को वापस जंगल की ओर भेजने की कोशिश में जुटे हैं। डीएफओ प्रकाश वर्मा ने कहा- नामीबिया से लाए गए चीतों में 4 चीतों को खुले जंगल में छोड़ा गया था। रविवार को कूनो नेशनल पार्क से बाहर निकलकर विजयपुर इलाके के झार-बड़ौदा गांव के आसपास दिखा ओवान चीता शाम को जंगल की ओर चला गया था, हालांकि सोमवार को एकबार फिर वो करीब गांव की ओर लौटा है।

स्ट्रेस न हो इसलिए ट्रेंकुलाइज नहीं कर रहा वन अमला

चीते को वापस भेजने के लिए ट्रेंकुलाइज भी किया जा सकता है, लेकिन फिलहाल वन अमला चीते पर निगरानी रखकर उसके वापस लौटने का इंतजार कर रहा है। विजयपुर क्षेत्र के कूनो वन मंडल के एसडीओ अमित राठौर से जब इस बारे में बात की गई तो उन्होंने बताया कि चीता पूरी तरह से सुरक्षित है। वह वन अमले की निगरानी में है, चीते को स्ट्रेस नहीं हो इसलिए इंतजार किया जा रहा है कि वह खुद वापस लौट जाए। आरआई बद्रीप्रसाद प्रजापति ने बताया कि मौके पर राजस्व, पुलिस और वन विभाग के करीब 50 अफसर-कर्मचारी मौजूद हैं। चीता अभी गांव से करीब एक से डेढ़ किलोमीटर दूर है। उसे बेहोश करने के लिए मांस में दवाई मिलाकर फेंका गया।

झारखंड में 'रेड टेरर' का हो गया एनकाउंटर

25 लाख का ईनामी समेत 5 माओवादी ढेर, मेगा सर्च ऑपरेशन जारी

चतरा (एजेंसी)। झारखंड में पुलिस और सुरक्षा बलों ने 25 लाख के इनामी माओवादी समेत पांच नक्सलियों को मार गिराया। बताया गया है कि सोमवार सुबह चतरा-पलामू जिले की सीमा पर मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ की घटना उस वक्त हुई जब पुलिस और पुलिस और सीआरपीएफ के जवान नियमित गश्त पर थे। इसी दौरान सुरक्षाबलों को देखकर माओवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जिसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से जमकर गोलीबारी हुई। मुठभेड़ में गौतम पासवान समेत पांच नक्सली मारे गए हैं। चतरा के पुलिस अधीक्षक ने मुठभेड़ में मिली सफलता की पुष्टि की है। पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने बताया कि चतरा-पलामू सीमा पर लावालौंग

थाना क्षेत्र में मुठभेड़ हुई। उन्होंने बताया कि पांच माओवादियों को मार गिराया गया। जबकि मुठभेड़ में कई अन्य नक्सलियों के भी घायल होने की संभावना है। मारे गए सभी माओवादियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मुठभेड़ स्थल से बड़ी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद बरामद हुआ है। एसडीपीओ अशोक प्रियदर्शी ने बताया कि गोलीबारी सुबह साढ़े आठ बजे शुरू हुई थी। उन्होंने बताया कि जब्त हथियारों में दो एके 47 राइफल और दो देसी राइफल शामिल हैं। इलाके में सर्च ऑपरेशन अभी जारी है। प्रियदर्शी ने बताया कि माओवादी स्पेशल एरिया कमेटी (एसएसी) के सदस्य गौतम पासवान पर 25 लाख रुपए का इनाम था। समझा जाता है कि मुठभेड़ में वह मारा गया है। उन्होंने कहा कि इसकी पुष्टि की जा रही है।

वीर सावरकर को पसंद नहीं थी, शिंदे कटवाएंगे दाढ़ी!

संजय राउत के बयान पर अब महाराष्ट्र में छिड़ी नई 'महा' भारत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सियासत में फिलहाल स्वतंत्र वीर सावरकर के मुद्दे को लेकर घमासान मचा हुआ है। महाविकास अघाड़ी और बीजेपी के बीच आरोप- प्रत्यारोप का दौर शुरू है। हालांकि, राहुल गांधी द्वारा लगातार सावरकर का बार-बार अपमान किए जाने से महाविकास अघाड़ी के लिए थोड़ी मुश्किल जरूर बढ़ी है। वहीं कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के स्टैंड पर कायम हैं। जबकि

एनसीपी और उद्धव ठाकरे गुट ने राहुल गांधी को ऐसा बयान न देने की सलाह दी है। खुद शरद पवार ने सावरकर की तारीफ करते हुए कहा कि वह प्रगतिशील और वैज्ञानिक सोच वाले व्यक्ति थे। वहीं उद्धव ठाकरे ने तो राहुल गांधी को गठबंधन तक तोड़ने की धमकी दे डाली थी। बावजूद इसके रविवार को महाराष्ट्र के संभाजीनगर (औरंगाबाद) में हुई एमवीए की वज्रमूठ सभा में एनसीपी, कांग्रेस और उद्धव ठाकरे गुट के आला नेताओं ने शिरकत की। इसी बीच उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की दाढ़ी पर निशाना साधा है।

एक तीर से अब कई निशाने लगाएंगे सीएम योगी

- विधान परिषद के लिए मुस्लिम नेता का भी नाम किया आगे

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की विधान परिषद में मनोनीत सदस्यों की 6 सीटें लगभग 10 महीने से खाली हैं। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि योगी सरकार ने 6 नाम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के पास भेजे हैं। इसके बाद ऐसा लग रहा है कि विधान वरिषद की इन 6 सीटों पर जल्द ही सदस्यों का ऐलान हो जाएगा। गौर करने वाली बात यह भी है कि इन 6 नामों के जरिए योगी सरकार ने कई वर्गों को साधने का भी काम किया है। इसमें अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के कुलपति तारिक मंसूर का भी नाम शामिल है। मंसूर के अतिरिक्त सीएम योगी ने राजनीकांत माहेश्वरी (पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष , ब्रज भाजपा), साकेत मिश्रा, लालजी प्रसाद निर्मल, रामसुभाग राजभर, हंसराज विश्वकर्मा भी शामिल हैं। बताते चलें कि साकेत मिश्रा पूर्व आईएएस और राम मंदिर ट्रस्ट की निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र के बेटे हैं। लालजी प्रसाद निर्मल यूपी एससी, एसटी फाइनेंस एंड डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन के हेड हैं। इसके अलावा राम सूरत राजभर एक वकील हैं।

6 मौतों के बाद इंदौर के बेलेश्वर मंदिर पहुंचा बुलडोजर

- नगर निगम ने हटाया अतिक्रमण, 3 और धार्मिक स्थलों पर ऐक्शन

इंदौर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के इंदौर में नगर निगम ने सोमवार सुबह बेलेश्वर मंदिर का अवैध निर्माण वाला हिस्सा तोड़ दिया। रामनवमी के मौके पर इसी मंदिर में बावड़ी की छत धंसने से 36 लोगों की मौत हुई थी। अतिक्रमण

हटाने के लिए सुबह 6 बजे से ही नगर निगम का अमला मंदिर पहुंचना शुरू हो गया। मंदिर का अतिक्रमण हटाने के विरोध में बजरंग दल और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। मंदिर के बाहर पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है। प्रशासन ने ढक्कन वाला कुआं, सुखलिया और गाडराखेड़ी में भी धार्मिक स्थलों के अतिक्रमण को हटाया। गुरुवार को रामनवमी पर हवन के दौरान मंदिर की बावड़ी की छत धंसने से 60 लोग बावड़ी में गिर गए थे। कुछ लोग खुद निकल आए और 20 लोगों को रेस्क्यू किया गया था। हादसे में घायल 12 लोगों को भंवरकुआं स्थित एप्पल हॉस्पिटल से डिस्चार्ज किया जा चुका है। 6 लोग अभी भी भर्ती हैं। हादसे में मंदिर ट्रस्ट के सचिव मुरली सबनानी पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज हुआ है, उसके बाएं पैर के घुटने का ऑपरेशन शनिवार को किया गया। वो भी खतरे से बाहर हैं। मंदिर पुराना है। यह पहले बहुत छोटा था। करीब 25 साल पहले इसके विस्तार की योजना बनी। बावड़ी बंद करने का फैसला किया गया। ट्रस्ट ने बावड़ी का भराव नहीं किया और सिर्फ गर्डर और फर्शियां डाल दीं। इस पर टाइल्स लगवा दी गईं। यानी जहां लोग रोज दर्शन के लिए खड़े हो रहे थे, वहां नीचे जमीन खोखली थी। यहीं पर रामनवमी पर आरती के दौरान भीड़ जुटने से हादसा हुआ। जिस बावड़ी को बरसों पहले बिना भरे पैक किया गया उसी के पास दो साल पहले नया निर्माण शुरू कर दिया गया। नगर निगम ने इस अवैध निर्माण पर आपत्ति ली, लेकिन कार्रवाई नहीं की। नगर निगम ने बावड़ी को लेकर कभी नोटिस दिया ही नहीं। उसने नए निर्माण को अवैध मानते हुए रोकने के लिए कहा, लेकिन कार्रवाई नहीं की गई।

केरल में एक ट्रेन पैसेंजर ने दूसरे को आग लगाई

महिला-बच्चे समेत 3 की मौत, पटरी पर मिले शव; डिब्बे में चढ़ने को लेकर कहासुनी हुई थी

तिरुवनन्तपुरम (एजेंसी)। केरल के कोझिकोड में रविवार को ट्रेन में चढ़ने को लेकर दो यात्रियों के बीच कहासुनी हो गई। एक यात्री ने दूसरे यात्री पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि

मृतकों में एक महिला, बच्चा और पुरुष शामिल हैं, जिनके शव देर रात इलाथुर रेलवे स्टेशन की पटरी से बरामद किए गए। आरोपी मौके से फरार हो गया। उसके खिलाफ केस दर्ज कर तलाश की जा रही है। इस घटना में मत्तन्नूर के रहने वाले रहमत, उनकी बहन और उनकी दो साल की बेटी की मौत हो गई। थलासेरी के अनिल कुमार, उनकी पत्नी सजीशा, उनके बेटे अद्वैत, कन्नूर की रहने वाली रूबी और त्रिशूर के राजकुमार बुरी तरह झुलस गए हैं।

सीरिया के इलाकों में इजराइ ने किया हमला, सलाहकार की मौत

होम्स प्रांत । इजराइल ने सीरिया के होम्स प्रांत में तड़के कई जगहों पर हवाई हमले किए, जिनमें पांच सैनिक घायल हो गए। सीरिया की सरकारी मीडिया ने खबर दी है कि इजराइली हमले में जख्मी हुए ईरान के एक सलाहकार की मौत हो गई है।ईरान, सीरिया में मार्च 2011 में संघर्ष शुरू होने के बाद से ही राष्ट्रपति बशर असद की सरकार का समर्थन कर रहा है और युद्ध के शुरुआती दिनों से अपने सलाहकार भेजता रहा है।इस साल की शुरुआत से इजराइल ने नौवीं बार विभिन्न ठिकानों को निशाना बनाया है। सैन्य सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली है कि होम्स शहर और आसपास के इलाकों में कई जगहों को निशाना बनाया गया है। सूत्रों के अनुसार सीरिया की हवाई रक्षा प्रणाली ने कुछ इजराइली मिसाइल को हवा में ही मार गिराया। मिसाइल ने सीरियाई सैन्य ठिकानों और ईरान से संबंधित मिलिशिया के प्रतिष्ठानों पर हमले किए, जिसमें एक शोध केंद्र भी शामिल है।हालांकि इजराइल की ओर से हमलों को लेकर फिलहाल कोई बयान जारी नहीं किया गया है। इजराइल हाल के वर्षों में सीरिया के सरकार नियंत्रित हिस्सों में सैकड़ों हमले कर चुका है। इजराइल ने सीरिया की राजधानी दमिश्क के उपनगर पर हवाई हमले किए थे जिसमें एक ईरानी सलाहकार की मौत हो गई थी। यह जानकारी सीरिया और ईरान की मीडिया ने दी जिसके अनुसार ईरानी सैन्य कमांडर मिलाद हैदरी हमले में मारे गए हैं और इसे इजराइल द्वारा 'आपराधिक हमला' बताया था। सलाहकार की पहचान मेगदाद महगनी के तौर पर की है।

प्रवासियों की मौत ने यूएस नीति पर ध्यान दिलाया, सुरक्षा पर सवाल

वाशिंगटन । अमेरिकी सीमा के पास प्रवासियों की मौत ने अनेक सवाल खड़े कर दिए हैं। मैक्सिको के श्यूडाड जुआरेज में एक निरोध केंद्र में आग लगने से कम से कम 39 प्रवासियों की मौत हुई थी। इस घटना के पीछे कई कारक हैं। तात्कालिक कारण यह प्रतीत होता है कि केंद्र में मौजूद कुछ हताश व्यक्तियों ने अपने निर्वासन के विरोध में वहां रखे गद्दों में आग लगा दी। इस घटना को लेकर सुरक्षा कर्मियों की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं, जो एक वीडियो में घटनास्थल से जाते हुए नजर आ रहे हैं। त्रासदी का एक और पहलू है, जिसकी अनदेखी नहीं की जा सकती है और वो है अमेरिका और मैक्सिको की सरकारों की दशकों पुरानी आव्रजन प्रवर्तन नीतियां। इन नीतियों की वजह से निरोध केंद्रों पर रखे जाने वाले लोगों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। आग लगने की घटना के बाद, प्रवासियों के मानवाधिकारों के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत फेलिप गोंजालेज मोरालेस ने टि्वटर पर कहा था कि आव्रजन निरोध केंद्रों का अत्याधिक इस्तेमाल इस तरह की त्रासदियों का कारण है। गौर करने योग्य बात यह है कि सीमा के दोनों ओर इस तरह के केंद्रों का अत्याधिक इस्तेमाल करने में अमेरिका की बड़ी भूमिका है। लंबे समय तक कैद रखा जाना और निर्वासन का डर आज मैक्सिको के पास बहुत बड़ा निरोध तंत्र है। इसमें कई दर्जन लघु और दीर्घकालिक निरोध केंद्र शामिल हैं, जिनमें वर्ष 2021 में तीन लाख से ज्यादा लोग बंद थे। लेकिन, अमेरिका का आव्रजन निरोध तंत्र दुनिया में सबसे बड़ा है, जिसमें सरकारी और निजी दोनों तरह के केंद्र शामिल हैं। इसके अलावा, जेलों समेत अन्य तरह के निरोध केंद्र भी बड़े पैमाने पर अमेरिका के पास मौजूद हैं।

अमेरिका में बवंडर ने मचाई तबाही, अब तक 26 लोगों की मौत

वाशिंगटन ।अमेरिका के 'मिडवेस्ट' एवं 'साउथ' में आए बवंडर से मची तबाही के कारण अब तक 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। इन शक्तिशाली बवंडर से अमेरिका के' मिडवेस्ट' एवं 'साउथ' में कई मकान और शॉपिंग सेंटर धाराशायी हो गए और इलिनोइस में 'हेवी मेटल्स' संगीत कार्यक्रम के दौरान थियेटर की छत गिर गई।ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बवंडर ने कम से कम आठ राज्यों में मकानों एवं कारोबारी संस्थाओं को नुकसान पहुंचाया। प्राधिकारियों ने बताया ?कि अब तक हुई मौतों में टेनेसी की काउंटी में नौ, अरकंसास के विन में चार, इलिनोइस में चार और इंडियाना के सुलिवन में तीन लोगों की मौत हुई। अलबामा और मिसिसिपी के अलावा अरकंसास के लिटिल रॉक में भी लोगों की मौत होने की सूचना मिली है। एडम्सविले के मेयर डेविड लेकनर ने पुष्टि की कि टेनेसी की मैकनेरी काउंटी में नौ लोगों की मौत हुई है। लेकनर ने कहा कि ज्यादातर नुकसान घरों और रिहायशी इलाकों में हुआ है। पूरे इलाके में शुक्रवार की रात मची तबाही के बाद आपात सेवा के कर्मी तबाही का आकलन कर रहे हैं। तूफान प्रणाली के प्रभावी होने से उठे बवंडरों से साउथ के मैदानों के जंगलों में आग लगने की घटना हुई है। ऊपरी 'मिडवेस्ट' में भी स्थिति खराब है। मिडवेस्ट अमेरिका के जनगणना ब्यूरो के चार जनगणना क्षेत्रों में से एक है। क्रॉस काउंटी की सरकारी अधिकारी एली लॉन्ग ने मीडिया को बताया कि मरने वालों में अरकंसास के छोटे शहर विन के चार लोग शामिल हैं। इनके अलावा अलाबामा, इलिनोइस, इंडियाना और लिटिल रॉक क्षेत्र में अन्य मौतों की खबर है। विन की सिटी काउंसिल सदस्य लीजा पॉवेल कार्टर ने कहा कि टेनेसी के मेम्फिस शहर से करीब 80 किलोमीटर पश्चिम स्थित उनके शहर में बिजली नहीं है और सड़क मलबे से भरी हैं।

दो अमेरिकी नागरिकों को रिहा करने की रुस से की अपील

वाशिंगटन । अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रूस से दो अमेरिकी नागरिकों को रिहा करने का आग्रह किया है। विदेश विभाग ने जानकारी दी। ब्लिंकन ने रूस के अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ फोन पर बात की और पिछले सप्ताह हिरासत में लिए गए पत्रकार और एक अन्य अमेरिकी नागरिक पॉल व्हेलन को रिहा करने का आग्रह किया। विदेश विभाग के अनुसार रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ बातचीत में ब्लिंकन ने क्रेमलिन द्वारा पत्रकार इवान गेर्शकोविच को जासूसी के आरोप में हिरासत में लिए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की। ब्लिंकन ने गेर्शकोविच व व्हेलन की तत्काल रिहाई की भी मांग की और कहा कि उन्हें गलत तरीके से हिरासत में लिया गया है। मिशिगन कॉरपोरेट सुरक्षा कार्यकारी व्हेलन दिसंबर 2018 से जासूसी के आरोपों में रूस में कैद है। उनके परिवार और अमेरिकी सरकार ने इन आरोपों को निराधार बताया है। विदेश विभाग के अनुसार ब्लिंकन और लावरोव ने एक ऐसा माहौल बनाने के महत्व पर भी चर्चा की जिससे राजनयिक मिशन अपना काम कर सकें। इस मामले में रूस की शीर्ष सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि गेर्शकोविच सैन्य-औद्योगिक परिसर के एक उद्यम पर जानकारी एकत्र कर रहे थे। रूसी अधिकारियों ने उन्हें पिछले सप्ताह हिरासत में लिया था। इस बीच 30 से अधिक मीडिया संगठनों और प्रेस की स्वतंत्रता के पैरोकारों ने अमेरिका में रूसी राजूदत को पत्र लिखकर इस बात पर चिंता जताई है।

गूगल के खिलाफ एक नया मुकदमा दायर

सैन फ्रांसिस्को। गूगल के खिलाफ एक नया मुकदमा दायर हुआ है, जिसमें राजस्व के नुकसान के लिए प्रकाशकों को मुआवजे के तौर पर 3.4 अरब पाउंड (4.2 अरब डॉलर) की मांग की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, गार्जियन टेक्नोलॉजी के पूर्व एडिटर चार्ल्स आर्थर द्वारा किए गए दावे के अनुसार, गूगल ने प्रकाशकों के मुनाफे को कम करने के लिए ऑनलाइन विज्ञापन में अवैध रूप से अपनी प्रमुख स्थिति का इस्तेमाल किया। गूगल ने कहा कि वह सट्टा और अवसरवादी कार्रवाई का सख्ती से विरोध करेगा।

रिपोर्ट में कहा गया है, मुकदमे में आर्थर ने दावा किया कि गूगल द्वारा अपनी स्थिति के दुरुपयोग के कारण विज्ञापन-प्रौद्योगिकी सेवाओं को बढ़ाया गया था और प्रकाशकों के विज्ञापन बिक्री राजस्व को अवैध रूप से कम किया गया था। आर्थर के हवाले से कहा गया है, यूके प्रतिस्पर्धा और बाजार प्राधिकरण (सीएमए) वर्तमान में विज्ञापन-प्रौद्योगिकी में गूगल के प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण की जांच कर रहा है, लेकिन उनके पास यह शक्ति नहीं है, कि गूगल उन लोगों की भरपाई करे जो हार गए हैं। हम केवल अदालतों के माध्यम से उस गलत को सही कर सकते हैं। इसकारण मैं यह दावा कर रहा हूं।

पिछले साल नवंबर में दायर इसी तरह के मुकदमे के बाद यह इस तरह का दूसरा मुकदमा है। दावा ब्रिटेन के पूर्व संचार नियामक ऑफकॉम के निदेशक क्लाउडियो पोलाक द्वारा लाया गया था, जो गूगल से 13.6 अरब पाउंड तक का हर्जाना मांग रहा है। इस बीच, नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल ने कहा है कि गूगल को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा लगाए गए 1,337.76 करोड़ रुपये के जुर्माने का भुगतान करना होगा। सीसीआई ने 30 अक्टूबर, 2022 को एंड्रॉइड मोबाइल उपकरणों के संबंध में प्रतिस्पर्धा-रोधी प्रथाओं के लिए गूगल पर 1,337.76 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था।

ताइवान की राष्ट्रपति तसाई इंग वेन ने ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति एलेजेंड्रो जियामेटी के साथ ही बच्चों से भी मुलाकात की।

अमेरिका में बवंडर और तूफान के कारण 32 लोगों की मौत

वाशिंगटन ।अमेरिका के दक्षिण और मध्य पश्चिम में कई राज्यों में तेज बवंडर और तूफान के कारण कम से कम 32 लोगों की मौत हुई है। वरिष्ठ अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया हैं, कि कम से कम सात राज्यों में 1 अप्रैल को 50 से अधिक बवंडर रिपोर्ट दर्ज किए गए। शक्तिशाली बवंडर ने घरों और व्यवसायों को नुकसान पहुंचाया, इमारतों की छतें उखड़ गई, पेड़ टूट गए और वाहन उड़ गए। नॉर्थ लिटिल रॉक में एक और व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि अरकंसास, इंडियाना और टेनेसी में मौतों की पुष्टि की गई है, जहां राज्यव्यापी मौत का आंकड़ा बढ़कर 15 हो गया। वहीं तीन मौतें मेम्फिस में हुईं, जहां घरों पर गिरे पेड़ों के बारे में पुलिस को सूचना देने के बाद दो बच्चे और एक वयस्क मृत पाए गए। काउंटी के मेयर लैरी स्मिथ ने पुष्टि की कि मैकनेरी काउंटी, टेनेसी में नौ अन्य लोगों की मौत हुई हैं। तूफान हमारी काउंटी को एक तरफ से दूसरी तरफ पूरी तरह से पार कर गया, अधिकारियों ने ढह गई इमारतों की तलाशी जारी रखी। इंडियाना में कम से कम पांच और इलिनोइस में चार लोगों की मौत हुई, जिसमें एक व्यक्ति भी शामिल था, जिसकी बेलविदेरे में अपोलो थिएटर की छत के गिरने से मृत्यु हो गई थी। राज्य और स्थानीय अधिकारियों ने भी अलबामा, मिसिसिपी और डेलावेयर में एक मौत की सूचना दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह ताजा तबाही मिसिसिपी में एक बड़े तूफान के एक हफ्ते बाद आई है, जिसमें 25 लोगों की जान चली गई थी। अशांत मौसम के एक ही दौर के दौरान अलबामा में 26 मौतों की सूचना मिली थी।

जयशंकर ने इस अंदाज में यूएस-जर्मनी को लिया आड़े हाथ

पश्चिमी देश सोचते हैं अन्य देशों पर बोलने का उन्हें ईश्वर ने अधिकार दे रखा है

वाशिंगटन (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने देश के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने की कोशिश के लिए पश्चिम को आड़े हाथ लिया है। विदेश मंत्री ने कहा कि पश्चिम को लगता है कि उसे दूसरे देशों के आतंरिक मामलों पर टिप्पणी करने का ईश्नर द्वारा दिया गया अधिकार है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की ये टिप्पणी राहुल गांधी की अयोग्यता पर जर्मनी और अमेरिका की टिप्पणी के बाद आई है। जयशंकर ने कहा कि ÷सच्चाई का दूसरा हिस्सा÷ देश के भीतर आंतरिक बहस में बाहरी लोगों को उलझा रहा है।

हमें दुनिया को ये कहते हुए उदार नियंत्रण देना बंद करना होगा कि भारत में समस्याएं हैं और अमेरिका और दुनिया आप कुछ नहीं कर रहे क्यों खड़े नहीं हो रहे? भारत के लोकतंत्र के खतरे में होने के बारे में ब्रिटेन के विभिन्न कार्यक्रमों में राहुल की टिप्पणी की ओर इशारा करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर कोई यहां से जाता है और कहता है, आप क्यों खड़े हैं और कुछ नहीं कह रहे हैं, तो जाहिर है कि वे जा रहे हैं टिप्पणी। समस्या का हिस्सा वे हैं, समस्या का हिस्सा हम हैं। मुझे लगता है कि दोनों को ठीक करने की

जरूरत है।

जयशंकर ने यह टिप्पणी रविवार सुबह बेंगलुरु साउथ से सांसद तेजस्वी सूर्या और बेंगलुरु सेंट्रल से सांसद पीसी मोहन द्वारा कब्बन पार्क में 500 से अधिक युवा मतदाताओं, जॉगर्स और आगंतुकों के साथ आयोजित 'मीट एंड ग्रीट' कार्यक्रम के दौरान की। विदेश मंत्री ने कहा कि जी20 की मेजबानी करने वाले देश के पीछे का उद्देश्य 'दुनिया को भारत के लिए तैयार करना और भारत को दुनिया के लिए तैयार करना' था।

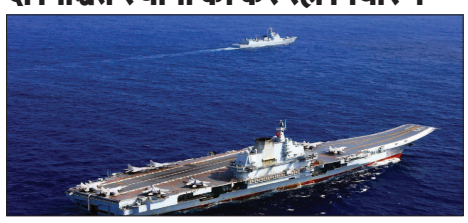

हिंद महासागर में पकड़ मजबूत करने की फिराक में चीन! नियमित सर्वेक्षण के लिए दो निश्चित स्थानों का कर रहा निर्धारण

बीजिंग (एजेंसी) । चीन ने दक्षिण चीन सागर के विवादित क्षेत्रों सहित अपने महासागर अनुसंधान जहाजों द्वारा नियमित रूप से दौरा किए जाने वाले विशिष्ट स्थानों को सूचीबद्ध किया है। चीन पूर्वी हिंद महासागर का लयबद्ध सर्वेक्षण क्यों चाहता है, इस बारे में इरादे काफी स्पष्ट नहीं हैं। हांगकांग स्थित समाचार वेबसाइट साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के एक हालिया लेख में समुद्री सर्वेक्षणों के लिए निश्चित नौसैनिक स्थलों की घोषणा पर चीन के राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान फाउंडेशन (एनएसएफसी) की रिपोर्ट का संदर्भ दिया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने पहली बार अपने महासागर अनुसंधान जहाजों द्वारा सर्वेक्षण किए जाने वाले 33 निश्चित संदर्भ खंडों की घोषणा की है, जो दक्षिण चीन सागर (स्ष्टस्), ताइवान जलडमरूमध्य, पश्चिमी प्रशांत के साथ-साथ पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले रहे हैं। हिंद महासागर का हिस्सा। %विशेष रूप से चुने गए% बार-बार देखे जाने वाले अवलोकन क्षेत्रों के संबंध में आशंका है, जो प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों, एससीएस और ताइवान के विवादित क्षेत्रों के साथ-साथ पूर्वी हिंद महासागर के स्थानों के करीब आते हैं, जो भारत की राष्ट्रीयता के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप की गिरफ्तारी तय, कर सकते हैं सरेंडर, न्यूयॉर्क पुलिस सक्रिय

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। डोलाल्ड ट्रंप की गिरफ्तारी होने वाली है। न्र्यूयार्क की पुलिस सक्रिय हो गई। मामला पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को दी गई रकम का है जिसमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप घिर गए हैं. इस मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए ट्रंप आत्मसमर्पण भी कर सकते हैं। इस संभावना को देखते हुए न्यूयॉर्क शहर की पुलिस ने ट्रंप टॉवर के चारों तरफ मेटल बैरियर लगा दिए हैं। जानकरी के मुताबिक मैनहट्टन क्रिमिनल कोर्टहाउस के पास सड़कों को ब्लॉक कर दिया गया है। पुलिस यह मानकर चल रही है कि ट्रंप के समर्थक उनकी पेशी से पहले कोर्ट को आसपास विरोध-प्रदर्शन कर सकते हैं। रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन सहित ट्रंप के कई समर्थकों का कहना है कि वे विरोध करने के लिए न्यूयॉर्क जाएंगे। इधर मार्जोरी टेलर ग्रीन को ट्रंप का कट्टर समर्थक माना जाता है। ट्रंप पर लिए जा रहे एक्शन के खिलाफ न्यूयॉर्क यंग रिपब्लिकन क्लब भी प्रदर्शन करने जा रहा है। क्लब के सदस्य कोर्टहाउस सड़क के दूसरी तरफ एक पार्क में विरोध-प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं।

इस बीच अदालत के एक अधिकारी ने कहा है कि डाउनटाउन कोर्टहाउस ट्रम्प के आने से काफी पहले कुछ अदालतों को बंद कर देगा। ट्रम्प के एक सलाहकार का कहना है कि वह फ्लोरिडा से सोमवार को न्यूयॉर्क पहुंचकर ट्रम्प टॉवर में रात बिता सकते हैं। यहां से वह मंगलवार की सुबह अदालत पहुंचेंगे।

यहां यह बात गौरतलब है कि मंगलवार की दोपहर ट्रंप को कोर्ट में पेश किया जाना है। इस केस के सामने आने के बाद अमेरिका में आपराधिक मामले का सामना करने वाले ट्रंप पहल पूर्व राष्ट्रपति बन गए हैं। हालांकि, वह इस पूरे केस को राजनीति से प्रेरित बताते हैं। ट्रंप के मामले में केस चलाने की अनुमति ग्रैंड जूरी ने दी। यह ग्रैंड जूरी नागरिकों का एक समूह होती है, जो गवाहों के साथ ही पेश किए गए सबूतों पर विचार-विमर्श करती है।

यूएनएससी का अध्यक्ष बन गया रूस, वैश्विक समुदाय के मुंह पर लगा जोरदार तमाचा: दमित्रो कुलेबा

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच एक साल से ज्यादा समय से लड़ाई चल रही है। दोनों देशों में तनाव के बीच रूस यूएन सिक्योरिटी काउंसिल का अध्यक्ष बन गया है। इस पर यूक्रेन के विदेश मंत्री दमित्रो कुलेबा ने कहा कि रूस का यूएन सिक्योरिटी काउंसिल का अध्यक्ष बनना वैश्विक समुदाय के मुंह पर जोरदार तमाचा है। उन्होंने कहा कि रूस अपनी इस अध्यक्षता का दुरुपयोग भी कर सकता है। मैं निवेदन करता हूं कि यूएनएससी के सदस्य उसको कोई भी ऐसी हरकत न करने दें। कुलेबा ने अपने बयान में कहा कि रूस यूएनएससी में डकैत की तरह है। इसी महीने के आखिरी में रूस के विदेश मंत्री लावरोव यूएनएससी की एक बैठक की अध्यक्षता करने वाले हैं। रूस के विदेश मंत्रालय

की तरफ से कहा गया है कि 25 अप्रैल को लावरोव मध्य एशिया के बारे में बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे।

अमेरिका ने भी यूएनएसी में रूस की भूमिका को लेकर आपत्ति जताई है। अमेरिका ने कहा कि जो देश यूएन चार्टर का उल्लंघन कर रहा है और अपने पड़ोसी पर हमला कर रहा है। ऐसे देश की जगह यूएनएससी में होनी ही नहीं चाहिए। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने कहा कि यह दुर्भाग्य का विषय है कि रूस यूएएससी का स्थायी सदस्य है। इस वास्तविकता को बदलने का कोई भी रास्ता नजर नहीं आ रहा है।

कुलेबा ने कहा कि रूस का सिक्योरिटी काउंसिल का अध्यक्ष बन जाना एक भद्दा मजाक है। यूएनएससी के 15 सदस्यों में अध्यक्षता बारी-बारी से सबको मिलती रहती है। इससे पहले फरवरी 2022 में रूस ने यूएनएससी की अध्यक्षता की थी। अब दोबारा उसका अप्रैल में नंबर आ गया है। रूस अपने पद के दम पर यूएनएससी की एजेंडा बदलने का पूरा प्रयास करेगा।

रूस-यूक्रेन जंग के बीच यूएनएससी का अध्यक्ष बन गया रूस

-वैश्विक समुदाय के मुंह पर लगा जोरदार तमाचा : दमित्रो कुलेबा

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच एक साल से ज्यादा समय से लड़ाई चल रही है। दोनों देशों में तनाव के बीच रूस यूएन सिक्योरिटी काउंसिल का अध्यक्ष बन गया है। इस पर यूक्रेन के विदेश मंत्री दमित्रो कुलेबा ने कहा कि रूस का यूएन सिक्योरिटी काउंसिल का अध्यक्ष बनना वैश्विक समुदाय के मुंह पर जोरदार तमाचा है। उन्होंने कहा कि रूस अपनी इस अध्यक्षता का दुरुपयोग भी कर सकता है। मैं निवेदन करता हूं कि यूएनएससी के सदस्य उसको कोई भी ऐसी हरकत न करने दें। कुलेबा ने अपने बयान में कहा कि रूस यूएनएससी में डकैत की तरह है। इसी महीने के आखिरी में रूस के विदेश मंत्री लावरोव यूएनएससी की एक बैठक की अध्यक्षता करने वाले हैं। रूस के विदेश मंत्रालय की तरफ से कहा गया है कि 25 अप्रैल को लावरोव मध्य एशिया के बारे में बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे। अमेरिका ने भी यूएनएसी में रूस की भूमिका को लेकर आपत्ति जताई है। अमेरिका ने कहा कि जो देश यूएन चार्टर का उल्लंघन कर रहा है और अपने पड़ोसी पर हमला कर रहा है। ऐसे देश की जगह यूएनएससी में होनी ही नहीं चाहिए। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने कहा कि यह दुर्भाग्य का विषय है कि रूस यूएएससी का स्थायी सदस्य है। इस वास्तविकता को बदलने का कोई भी रास्ता नजर नहीं आ रहा है। कुलेबा ने कहा कि रूस का सिक्योरिटी काउंसिल का अध्यक्ष बन जाना एक भद्दा मजाक है। यूएनएससी के 15 सदस्यों में अध्यक्षता बारी-बारी से सबको मिलती रहती है। इससे पहले फरवरी 2022 में रूस ने यूएनएससी की अध्यक्षता की थी। अब दोबारा उसका अप्रैल में नंबर आ गया है।

युवा लड़कियों को ड्रग्स सप्लाई, रेप करते हैं ब्रिटिश पाकिस्तानी

- गृह सचिव सुएला ने बाल यौन शोषण को समाप्त करने से जुड़े नए प्लान का खुलासा किया

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में युवा लड़कियों का शोषण करने वाले गिरोहों की कई रिपोर्टों के बाद गृह सचिव सुएला ब्रेवरमैन ने बाल यौन शोषण को समाप्त करने से जुड़े नए प्लान का खुलासा किया। नए कानून को लेकर उन्होंने ऐसे अपराधों में शामिल ब्रिटिश पाकिस्तानी पुरुषों के गिरोहों को लेकर चुप्पी साधने की संस्कृति के बारे में भी बात की। भारतीय मूल की मंत्री ने इस दौरान बिना किसी लीपापोती के सीधे ब्रिटिश पाकिस्तानी अपराधियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के अपराधों में ज्यादातर ब्रिटिश पाकिस्तानी पुरुष होते हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश पाकिस्तानियों का गैंग है जो ड्रग्स देता है और रेप करता है। उन्होंने कहा कि पॉलिटिकल करेक्टनेस अधिकारियों को कार्य करने से रोकती है। सरकार का कहना है कि अनिवार्य रिपोर्टिंग पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। बाल शोषण पर चुप्पी साधने वालों की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाएगी। होम ऑफिस का मानना है कि युवा लड़कियों की देखभाल करने वाले प्रोफेशनल नस्लवादी और कट्टर कहे जाने के डर से और पॉलिटिकल करेक्टनेस के चलते दुर्व्यवहार पर आंखें मूंद लेते हैं। उन्होंने कहा कि इस डर के परिणामस्वरूप हजारों बच्चों का बचपन तबाह हो गया और अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं।

सुएला ब्रेवरमैन ने इन प्रोफेशन के बारे में बताया, जिनमें अध्यापक, पुलिस और राज्य एजेंसियों के लोग भी शामिल हैं। हालांकि नया नियम लाने से जुड़ा कदम पिछले साल बाल यौन शोषण से जुड़ी एक स्वतंत्र जांच की सिफारिश के बाद उठाया गया है। सुएला ने कहा ?कि इस तरह के अपराधियों में ब्रिटिश पाकिस्तानी पुरुषों का समूह है, जो ब्रिटिश मूल्यों के साथ पूरी तरह से असंगत सांस्कृतिक दृष्टिकोण रखते हैं। उनकी गतिविधियां एक खुला रहस्य है, इसके बावजूद उन्हें अपने समुदाय और समाज दोनों में ही चुनौती नहीं दी गई है। जानबूझ कर आंख मूंद लेना, कार्रवाई में विफलता और चुप्पी ने इस दुर्व्यवहार को सक्षम बना दिया है। उन्होंने कहा कि ये लोग लड़कियों को ड्रग्स देकर उनका शोषण करते

हैं। सुएला पहले भी अपने बयानों के कारण चर्चा में रही हैं। लिज ट्रस कैबिनेट में भी वह मंत्री थीं, लेकिन गलत तरीके से ईमेल का इस्तेमाल करने पर उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था।

संपादकीय

2622 वां महावीर जन्म कल्याणक दिवस

भगवान महावीर के चरणों में मेरा भावों से शत - शत वन्दन । भगवान का जन्म कल्याणक हम सबके लिए खूब - खूब मंगलमय हो । इस अवसर पर मेरे भाव -

जिसके मन में प्रेम अपार है ।
वाणी में बहती अमृत की धार है ।
जीवन गुणों की निशानी है ।
सिंधु ज्यों सभी को मन में स्थान देते है ।
वायु ज्यों सहज ही अपना स्थान बना लेते है ।
कही भी नहीं खटकने वाले आँखों के काजल है ।
मन की मलिनता मिटा गंगा का पावन जल है ।
पूरा जीवन व्यवहार सदगुण की खान है ।
सबको अपने जैसा मान प्यार करते है ।
किसी का दिल दुखे ऐसा व्यवहार नहीं करते है ।
जीवन की गरिमा बहुत सुहानी है ।
अपने मन की डोर को अपने हाथ में रखते है ।
भलाई करने की भावना हर पल रहती है ।
दुर्बलता का यहाँ कोई स्थान नहीं है ।
ऐसे अनेकों - अनेकों विशाल गुणों के धारक भगवान महावीर को

हम सब चाहते हैं । लेकिन हम उनके आज के जन्मदिवस को अपने जीवन मे समता दिवस व जागरूकता दिवस आदि के रूप में सही से मनाएं तो निश्चित ही हम सबका मंगल होगा ।हम अनेकांत को अपनाकर अपने घर-परिवार के,आस-पास के आदि सभी समस्याओं के समाधान पा सकते हैं । जागरूक रहकर कर्मों का निरोध करके,बंधे हुए कर्मों के उदय को समताभाव से सहकर ,सभी प्राणियों को अभयदान देकर हम भी महावीर बनने की योग्यता रखते हैं ।जरूरत है आज हमें उनके बताए रास्ते पर चलने की । भगवान महावीर भी हम जैसे ही कर्मों वाले थे । उन्होंने अपने सब कर्मों को समभाव से सहन कर उनका विनाश किया है । अहिंसा परमो धर्म का मंत्र पहले उन्होंने स्वयं पर अपनाया फिर हमको बताया । हम भी समता,अहिंसा और अनेकांत आदि को अपनाकर भगवान महावीर के बताए रास्ते को अपनाकर कम से कम भव में उनको पा सकते हैं । महावीर बन सकते हैं । इन्ही शुभ भावो से सभी को आज के भगवान महावीर के जन्म कल्याणक दिवस की मंगल कामना।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कोविड उत्पत्ति स्रोत के यक्ष प्रश्न

मुकुल व्यास

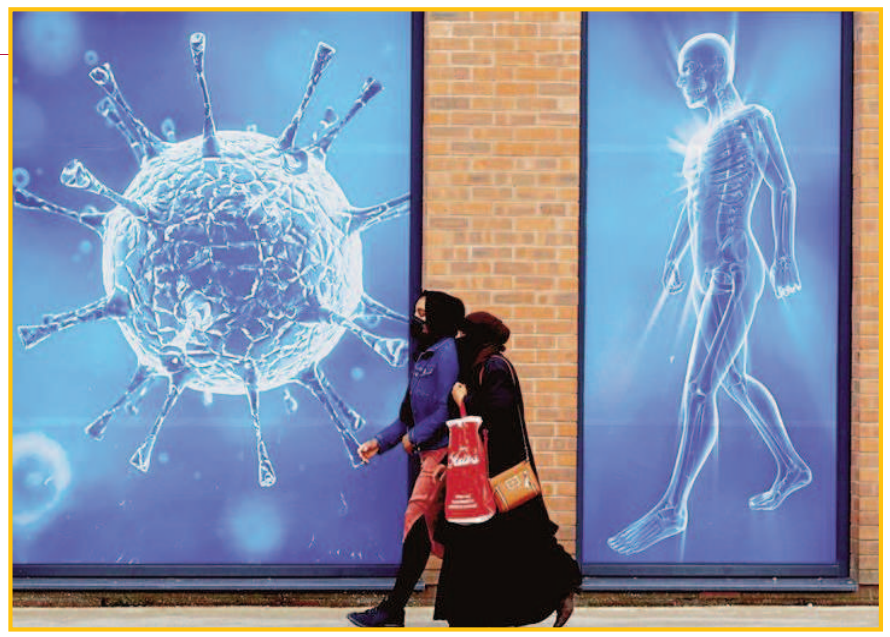

कोविड की उत्पत्ति को लेकर एक बार फिर दुनिया के वैज्ञानिकों के बीच बहस छिड़ गई है। वैज्ञानिकों के एक दल ने कोविड की उत्पत्ति को चीन में वुहान की जानवरों की मंडी में बेचे जाने वाले रेकून कुत्तों से जोड़ा है। ऑनलाइन प्रकाशित एक शोधपत्र में उन्होंने कहा है कि वुहान की मंडी में 2019 के अंत में बेचे गए रेकून कुत्ते कोविड के वाहक थे। रेकून कुत्ते लोमड़ी जैसे स्तनधारी जानवर हैं। वैज्ञानिकों ने पाया कि रेकून कुत्तों और कोविड को आश्रय देने वाले अन्य जानवरों की आनुवंशिक सामग्री कुछ ऐसे ही स्टालों में स्थित थी जहां प्रारंभिक प्रकोप के समय सार्स-कोव-2 का जीनोम भी मौजूद था। जानवरों की कुछ आनुवंशिक सामग्री आरएनए प्रतीत होती है। इस सामग्री को बाजार बंद होने के कुछ दिनों या हफ्तों बाद एकत्र किया गया था। स्पष्ट है कि नमूने एकत्र किए जाने से ठीक पहले ये जानवर मौजूद थे। इस तरह वे मनुष्यों में वायरस को प्रसारित करने के लिए एक संभावित वाहक बन गए। वैज्ञानिकों ने अपनी रिपोर्ट के साथ डेटा उपलब्ध नहीं कराया है जिससे स्वतंत्र विशेषज्ञों के लिए इन निष्कर्षों की जांच करना असंभव हो गया है। कुछ लोगों ने रिपोर्ट की आलोचना भी की है क्योंकि यह सिर्फ रेकून कुत्ते के संक्रमित होने का सबूत देती है। नई रिपोर्ट तैयार करने वाले वैज्ञानिकों में कैलिफोर्निया के ला जोला स्थित स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टिट्यूट के डेनिश जीवविज्ञानी डॉ. क्रिस्टियन एंडरसन शामिल हैं। शोधकर्ताओं ने अपने पेपर में कहा कि हमारे निष्कर्ष कोविड की प्राकृतिक उत्पत्ति का समर्थन करने वाले साक्ष्यों को मजबूत करते हैं। लेकिन कुछ विशेषज्ञों ने इस निष्कर्ष पर संदेह जताया है क्योंकि डेटा यह पुष्टि नहीं करता कि वायरस जानवर से इंसानों में फैला। एक संभावना यह है कि वायरस किसी व्यक्ति से एक रेकून कुत्ते में पहुंचा होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन की डॉक्टर मारिया वान केरखोव ने कहा कि रिपोर्ट में कोई पुख्ता सबूत नहीं है। अमेरिका की संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और अमेरिकी ऊर्जा विभाग दोनों मानते हैं कि कोविड महामारी की उत्पत्ति मानव निर्मित है। कुछ विशेषज्ञों का यह भी दावा है कि कोविड का अनोखा स्पाइक प्रोटीन, जिसका इस्तेमाल वह लोगों को संक्रमित करने के लिए करता है, मानव इंजीनियरिंग की पहचान दिखाता है। कोरोना वायरस की प्राकृतिक या मानव निर्मित उत्पत्ति के लिए प्रत्यक्ष और निर्णायक साक्ष्य अभी तक सामने नहीं आए हैं। इस बीच हम नियमित रूप से नए उभरते हुए वायरसों के प्रकोप के बारे में सुन रहे हैं। यह सही है कि कोविड महामारी के दौरान विकसित की गई बेहतर तकनीक की बदौलत हम वायरसों के प्रकोप का बेहतर ढंग से पता लगाने में सक्षम हुए हैं, लेकिन वायरसों का खौफ खत्म नहीं हुआ है। दुनिया में करीब 17 लाख वायरसों की पहचान की जानी बाकी है जो इस समय स्तनधारियों और पक्षियों को संक्रमित करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इनमें से 8 लाख से ज्यादा वायरस मनुष्यों को संक्रमित करने की क्षमता रखते हैं। वायरस कैसे उत्पन्न होते हैं, यह समझने के लिए कि हमें पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत को देखना होगा। शुरू-शुरू में वायरस कैसे अस्तित्व में आए, इसके बारे में कई सिद्धांत हैं, लेकिन वे सभी इस बात से सहमत हैं कि वायरस अरबों वर्षों से जीवों के साथ-साथ विकसित हो रहे हैं। जब उनके स्थिर सह-विकास में बाधा आती है तब हम मुश्किल में पड़ सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मानव आबादी में वायरसों के उभरने का मुख्य कारण मनुष्य और उसकी गतिविधियां हैं। 10,000 साल पहले कृषि एक आम प्रथा बन गई थी और इसके साथ ही मनुष्यों का जानवरों के साथ निकट संपर्क होना शुरू हो गया था। इसने उन वायरसों के लिए अवसर प्रदान किया जो कुदरती रूप से इन जानवरों को संक्रमित करते हैं। इन जानवरों के माध्यम से वे वहां मनुष्यों में छलांग लगाने लगे। इसे जूनोसिस कहा जाता है। नए उभरने वाले लगभग 75 प्रतिशत संक्रामक रोग जूनोसिस के कारण होते हैं। जैसे-जैसे मानव सभ्यता और प्रौद्योगिकी उन्नत हुई, जानवरों के आवासों के विनाश ने जानवरों को खाद्य स्रोतों की तलाश में नए क्षेत्रों में जाने के लिए मजबूर कर दिया। विभिन्न प्रजातियां जो आमतौर पर संपर्क में नहीं थीं, एक ही वातावरण को साझा करने लगीं। इस समीकरण में मनुष्यों को जोड़ दिया जाए तो आपके पास एक नए वायरस के उभरने का नुस्खा तैयार हो जाता है। शहरीकरण हमेशा उच्च जनसंख्या घनत्व की ओर जाता है। इससे वायरस के प्रसार के लिए आदर्श परिस्थितियां बनती है। कस्बों और शहरों का तेजी से विकास अक्सर स्वच्छता और स्वास्थ्य देखभाल जैसे बुनियादी ढांचे को पीछे छोड़ देता है, जिससे वायरस के प्रकोप की संभावना बढ़ जाती है। जलवायु परिवर्तन भी वायरस के प्रसार में योगदान दे रहा है। उदाहरण के लिए नए क्षेत्रों में मच्छरों जैसे आर्थोपोड्स जीवों द्वारा फैलने वाले वायरसों का पता लग रहा है क्योंकि मच्छरों के जीवित रहने का दायरा बढ़ रहा है। कोविड महामारी के दौरान विज्ञान अभूतपूर्व रफ्तार से आगे बढ़ा है, जिसके परिणामस्वरूप वायरस के प्रकोप और विकास की निगरानी के लिए नए और बेहतर तरीकों का विकास हुआ है। अब कोरोना वायरस पर नजर रखने वाले कई वैज्ञानिक अपना ध्यान अन्य वायरसों की निगरानी पर भी लगा रहे हैं। निगरानी महामारी की तैयारी का केवल एक हिस्सा है। दुनियाभर की सरकारों और स्वास्थ्य तथा विज्ञान एजेंसियों को वायरस के उभरने और महामारी संबंधी प्रोटोकॉल नियमित रूप से अपडेट करने होंगे। कोविड के आखिरी महामारी होने की संभावना नहीं है। उम्मीद की जानी चाहिए कि अगली बार हम बेहतर तरीके से तैयार होंगे।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

जैन धर्म मे अहिंसा को सर्वपरि बनाया महावीर स्वामी ने

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

भगवान महावीर का जन्म तकरीबन ढाई हजार साल पहले (ईसा से 599 वर्ष पूर्व), वैशाली के गणतंत्र राज्य क्षत्रिय कुण्डलपुर में हुआ था। महावीर को वीर, अतिवीर और सन्मति भी कहा जाता है। तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। उन्होंने एक लँगोटी तक का परिग्रह नहीं रखा। हिंसा, पशुबलि, जात-पात का भेद-भाव जिस युग में बढ़ गया, उसी युग में भगवान महावीर का जन्म हुआ। उन्होंने दुनिया को सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया।उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताए, जो हैं- अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) और ब्रह्मचर्य। सभी जैन मुनि, आर्यिका, श्रावक, श्राविका को इन पंचशील गुणों का पालन करना अनिवार्य है। महावीर स्वामी ने अपने उपदेशों और प्रवचनों के माध्यम से दुनिया को सही राह दिखाई और मार्गदर्शन किया। यद्यपि उनकी धर्मयात्राओं का ठीक वर्णन कहीं नहीं मिलता तो भी उपलब्ध वर्णनों से यही विदित होता है कि उनका प्रभाव विशेष रूप से क्षत्रियों और व्यवसायी वर्ग पर पड़ा, जिनमें शूद्र भी बहुत बड़ी संख्या में सम्मिलित थे ।समाज मे अहिंसा, सद्भावना, सत्यता और सात्विकता का संदेश देकर समाज को समर्द्ध बनाने वाले महावीर स्वामी ने अपने जीवन में पूरे समाज को हमेशा सन्मार्ग दिखाया है। उन्होंने हमेशा जियो और जीने दो का संदेश दिया। जैन धर्म के लोग ही नही अपितु सर्वसमाज के लोग की जयंती को बहुत धूमधाम और व्यापक स्तर पर मनाते हैं। उन्होंने हर भक्त को अहिंसा, सत्य अचौर्य, बह्मचर्य और अपरिग्रह के पांच व्रतों का पालन करने को कहा है ।महावीर स्वामी ने कहा है कि मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म अहिंसा है। अतः हमें हमेशा जियो और जीने दो के संदेश पर कायम रहना चाहिए ।महावीर ने हमें स्वयं के दोषों से लड़ने की प्रेरणा दी है। वह कहते हैं- स्वयं से लड़ो, बाहरी दुश्मन से क्या लड़ना? वह जो स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेगा उसे आनंद की प्राप्ति होगी ।मनुष्य की आत्मा अपने आप में सर्वज्ञ (परिपूर्ण) और आनंदमय है। आनंद को कभी बाहर से प्राप्त नहीं किया जा सकता। आत्मा अकेले आती है और अकेले चली जाती है, न कोई उसका साथ देता है और न ही कोई उसका मित्र बनता है ।के हमेशा दुखी होने की वजह खुद की गलतियां ही हैं, जो मनुष्य अपनी गलतियों पर नियंत्रण पा लेता है। वही मनुष्य सच्चे सुख की प्राप्ति कर सकता है ।जीवित प्राणी के प्रति दयाभाव ही अहिंसा है। घृणा से हम ना केवल अपना विनाश करते हैं बल्कि दूसरों के लिए भी कष्टकारी हो सकता है।

महावीर अहिंसा के दृढ़ उपासक थे, इसलिए किसी भी दिशा में विरोधी को क्षति पहुंचाने की वे कल्पना भी नहीं करते थे। वे किसी के प्रति कठोर वचन भी नहीं बोलते थे और जो उनका विरोध करता, उसको भी नम्रता और मधुरता से ही समझाते थे। इससे परिचय हो जाने के बाद लोग उनकी महत्ता समझ जाते थे और उनके आंतरिक सद्भावना के प्रभाव से उनके भक्त बन जाते थे।

महावीर स्वयं क्षत्रिय और राजवंश के थे, इसलिए उनका प्रभाव कितने ही क्षत्रिय नरेशों पर विशेष रूप से पड़ा। जैन ग्रंथों के अनुसार राजगृह का राजा बिंबिसार महावीर का अनुयायी था। वहां पर इसका नाम श्रेणिक बताया गया है और महावीर स्वामी के अधिकांश उपदेश श्रेणिक के प्रश्नों के उत्तर के रूप में ही प्रकट किये गये हैं। आगे चलकर इतिहास प्रसिद्ध महाराज चंद्रगुप्त मौर्य भी जैन धर्म के अनुयायी बन गये थे और उन्होंने दक्षिण भारत में आकर जैन मुनियों का तपस्वी जीवन व्यतीत किया था। उड़ीसा का राजा खाखेल तथा दक्षिण के कई राजा जैन थे। इसके फलस्वरूप जनता में महावीर स्वामी के सिद्धांतों का अच्छा प्रचार हो गया और उनके द्वारा प्रचारित धर्म कुछ शताब्दियों के लिए भारत का एक प्रमुख धर्म बन गया। आगे चलकर अनेक जैनाचार्यों ने जैन और हिंदू धर्म के समन्वय की भावना को भी बल दिया, जिसके फल से सिद्धांत रूप से अंतर रहने पर भी व्यवहार रूप में इन दोनों धर्मों में बहुत कुछ एकता हो गई और जैन एक संप्रदाय के रूप में ही हिंदुओं में मिल जुल गये। महावीर स्वामी का सबसे बड़ा सिद्धांत अहिंसा का है, जिनके समस्त दर्शन, चरित्र, आचारलविचार का आधार एक इसी अहिंसा सिद्धांत पर है। वैसे उन्होंने अपने अनुयायी प्रत्येक साधु और गृहस्थ के लिए अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह के पांच व्रतों का पालन करना आवश्यक बताया है, पर इन सबमें अहिंसा की भावना सम्मिलित है। इसलिए जैन विद्वानों का प्रमुख उपदेश यही होता हैल अहिंसा ही परम धर्म है। अहिंसा ही परम ब्रह्म है। अहिंसा ही सुख शांति देने वाली है। अहिंसा ही संसार का उद्धार करने वाली है। यही मानव का सच्चा धर्म है। यही मानव का सच्चा कर्म है। अहिंसा जैनाचार का तो प्राण ही है।

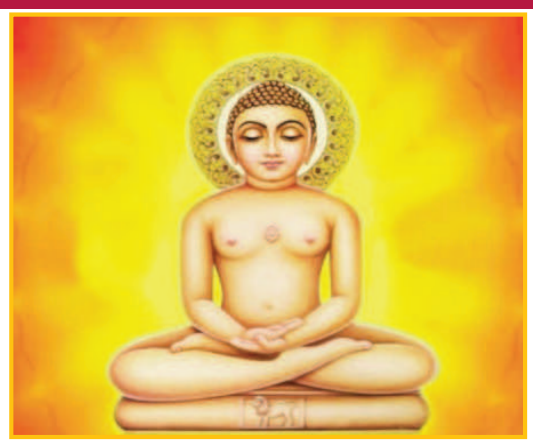

जैनियों के आचारलविचार, अहिंसा के विषय में चाहे जैसे रूढिवादी बन गये हों, पर इसमें संदेह नहीं कि महावीर स्वामी ने अपने समय में जिस अहिंसा के सिद्धांत का प्रचार किया, वह निर्बलता और कायरता उत्पन्न करने के बजाय राष्ट्र का निर्माण और संगठन करके उसे सब प्रकार से सशक्त और विकसित बनाने वाली थी। उसका उद्देश्य मनुष्य मात्र के बीच शांति और प्रेम का व्यवहार स्थापित करना था, जिसके बिना समाज कल्याण और प्रगति की कोई आशा नहीं रखी जा सकती। यद्यपि अहिंसा का प्रतिपादन सभी धर्मोपदेशकों ने अपनेलअपने ढंग से किया है, पर जिस प्रकार महावीर और बुद्ध ने अहिंसा पर सबसे अधिक बल देकर उसी को अपने धर्म का मूलमंत्र बनाया, ऐसा किसी अन्य धर्म संस्था ने नहीं किया और यही जैन धर्म की विशेषता भी बनी ।आज भी जैन धर्म के अनुयायी अहिंसा को सर्वोच्च मानते है ।जो प्राणी मात्र की भलाई का मूल मंत्र है ।(लेखक आध्यात्मिक चिंतक एवं वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार मंथन

फर्जी डिग्री वाले मामले

(लेखक- सनत जैन)

जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री को लेकर पिछले कई दिनों से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल निशाना साध रहे हैं। गुजरात हाईकोर्ट के एक फैसले ने फर्जी डिग्री वाले मामले में आग में घी डालने का काम किया है। गुजरात विश्वविद्यालय की याचिका थी,दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्रीय सूचना आयुक्त के आदेश को निरस्त करते हुए,अरविंद केजरीवाल के ऊपर 25000 रुपए का जुर्माना लगा दिया। हाईकोर्ट के इस फैसले की देशभर में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। आम आदमी पार्टी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुजरात हाईकोर्ट के फैसले और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री को लेकर पिछले कई दिनों से आक्रमक रुख अपना रखा है। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और इस्तीफे के मांग को लेकर दिल्ली भाजपा के नेता आंदोलन प्रदर्शन कर रहे थे। आबकारी मामले में दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को विशेष अदालत से जमानत नहीं मिली,वह जेल में बंद है। अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा और उन्हें भी आबकारी मामले में लपेटने का दबाव भाजपा के नेता बना रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री, अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के हाथ में तुरुप के पत्ता की तरह हाथ में लग गई है। दिल्ली के पूर्व कानून मंत्री जितेंद्र सिंह तोमर को फर्जी डिग्री वाले मामले में ना केवल अपने मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। बल्कि उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। बाद में उनका चुनाव भी निरस्त हो गया। दिल्ली भाजपा के नेता विजय गोयल हरदीप सिंह पुरी और हरीश खुराना जैसे वरिष्ठ नेता चुनाव आयोग मैं शिकायत करने और दबाव डालने पहुंचे थे। उसके बाद ही जितेंद्र सिंह तोमर का 2015 का चुनाव अवैध घोषित हुआ था। आम आदमी पार्टी के एक और विधायक चौधरी फतेह सिंह को भी फर्जी डिग्री वाले मामले में जेल जाना पड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री को लेकर जो आरोप अरविंद केजरीवाल द्वारा लगाए जा रहे हैं। उससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के लिए कहीं ना कहीं मुसीबत तो बनती हुई दिख रही है। पिछले कई महीनों से भाजपा नेता हर मामले में हर किसी को न्यायालय जाने की सलाह देते हैं। डिग्री वाला मामला अब भाजपा के गले में फांस की तरह फंस गया है। फर्जी डिग्री के मामले में पहले ही दिल्ली पुलिस, आम आदमी पार्टी के मंत्रियों विधायक पर कार्रवाई कर चुकी है। दिल्ली हाईकोर्ट और चुनाव आयोग,जितेंद्र सिंह तोमर वाले मामले में फैसला दे चुके हैं। ऐसी स्थिति में अरविंद केजरीवाल गिरफ्तारी से बचने के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री के नाम पर अरविंद केजरीवाल की बुरी तरह घेराबंदी कर चुके हैं। गुजरात हाईकोर्ट के फैसले ने आग में घी डालने का काम कर दिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री कों मीडिया के सामने सार्वजनिक कर चुके हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही अडानी वाले मामले में चौतरफा घिरे हुए हैं। उनकी सारी ताकत अडानी वाले मामले को ठंडा करने में लग रही थी ।इसी बीच डिग्री वाले मामले ने तूल पकड़ लिया है। जिसके कारण पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी बचाव की मुद्रा में आते हुई दिख रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और अन्य नेता डिग्री वाले मामले को लगातार तूल दे रहे हैं। आम आदमी पार्टी रोजाना पत्रकार वार्ता आयोजित कर रही है। ऐसा माना जा रहा है,कि प्रधानमंत्री की जो डिग्री केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सार्वजनिक की थी। यदि प्रमाणिकता के साथ उसे सामने नहीं लाया जाता है, तो आम आदमी पार्टी इस मामले को पुलिस और न्यायालय तक ले जाएगी। डिग्री यदि फर्जी पाई जाती है, तो प्रधानमंत्री की लोकसभा की सदस्यता और प्रधानमंत्री का पद दोनों ही खतरे में पड़ सकते हैं। इस संभावना के आधार पर आम आदमी पार्टी आक्रमक होकर रोजाना हमले कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री को लेकर यह मामला न्यायालय में गया, भी तो वहां से निपटने में भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरी तरह से सक्षम हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि डिग्री विवाद को लेकर अरविंद केजरीवाल ने अपने आपको गिरफ्तारी से बचाने का उपाय कर लिया है। वहीं केंद्र सरकार कों भी दिल्ली की राजनीति मे केंद्र का हस्तक्षेप ना हो,इसका दबाव अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी ने बना लिया है। केंद्र सरकार अपने रुख मे परिवर्तन कर दिल्ली सरकार के कामकाज और दोनों मंत्रियों की रिहाई रिहाई का समझौता कर, डिग्री मामले मैं आम आदमी पार्टी के साथ समझौता कर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर जो घेराबंदी आम आदमी पार्टी द्वारा की जा रही है।

हल्के में ना लें छोटे बच्चों में सोशल एंग्जाइटी

12 से 36 महीने तक की आयु सीमा के दौरान एक बच्चे का भावनात्मक और संज्ञानात्मक विकास होने लगता है, जिसके कारण उनके सोशल स्किल्स भी डेवलप होते हैं। यह वह वक्त होता है, जब बच्चा घर से बाहर निकलता है। डेकेयर से लेकर प्ले स्कूल आदि में जाने लगते हैं। ऐसे में वह घर के सदस्यों के अतिरिक्त दूसरे बच्चों व व्यस्क लोगों से मिलते हैं। कभी-कभी इस अवस्था में बच्चे सोशल फीयर्स भी जन्म लेने लगते हैं। हो सकता है कि वह दूसरों के साथ सामाजिक संपर्क होने पर सहज महसूस ना करें। शुरूआती दिनों में नई जगह पर सेट होने में बच्चे थोड़ा समय लगता है, लेकिन अपरिचित लोगों को उसे घबराहट या एंग्जाइटी होती है तो ऐसे में जल्द से जल्द बच्चे की मदद करनी चाहिए, अन्यथा आगे चलकर उसे इस सोशल एंग्जाइटी के कारण कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए जानते हैं कि टॉडलरहुड में सोशल एंग्जाइटी को किस तरह दूर किया जाए-

बच्चे की मदद करने से पहले आपको उनमें होने वाली सोशल एंग्जाइटी के कारणों के बारे में भी जानना चाहिए। वैसे अभी तक यह पूरी तरह क्लीयर नहीं है कि इतनी छोटी उम्र के बच्चों में सोशल एंग्जाइटी का वास्तविक कारण क्या है। हालांकि इसके लिए अधिकतर मामलों में जेनेटिक्स को कारण माना जाता है, क्योंकि यह एक बच्चे के स्वभाव और व्यक्तित्व में योगदान देता है। इसके अलावा, एक बच्चे का वातावरण भी उन्हें सोशल एंग्जाइटी का शिकार बना सकता है। मसलन, अगर घर में पहले से ही कोई बड़ा बच्चा इस तरह की समस्या से पीड़ित हो तो छोटा बच्चा भी उसे देखकर काफी कुछ सीख जाता है। वैसे एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि छोटे बच्चे अपनी मां से भी सोशल एंग्जाइटी बिहेवियर सीख सकते हैं। मां द्वारा अनजाने में ही अशाब्दिक संकेत बच्चे को यह सिखा सकते हैं कि अजनबी या अपरिचित व्यक्ति चिंता का एक स्रोत हैं।

यूं करें मदद

अब सवाल यह उठता है कि इतनी कम उम्र के बच्चों की आप किस तरह मदद कर सकती हैं ताकि उनकी सोशल एंग्जाइटी को कम किया जा सके।

- सबसे पहले तो पैरेंट्स घर में हेल्दी सोशल इन्टरैक्शन करें। इससे बच्चा देखता और सीखता है कि बाहरी दुनिया व अजनबी लोगों से बहुत अधिक डरने की आवश्यकता नहीं है।
- बच्चे को नए लोगों से घुलने-मिलने का मौका दें और उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित करें। लेकिन कभी भी उसके साथ जबरदस्ती ना करें। इससे बच्चे पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।
- अगर आपका बच्चा पहली बार बाहर जा रहा है तो ऐसे में पहले घर पर उसकी रिहर्सल करने से बच्चे के मन के डर को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मसलन, अगर आप उन्हें डेकेयर या प्ले स्कूल ले जा रही हैं तो पहले घर पर रोल प्ले करें। इससे बच्चे को स्कूल के माहौल की काफी जानकारी पहले ही हो जाती है।
- बच्चे की सोशल एंग्जाइटी को कम करने के लिए पहले खुद को शांत रखें। इससे बच्चे को लगता है कि नई जगहों पर जाना या नए लोगों से मिलने-जुलने में कोई डर नहीं है।
- बच्चे को लेकर ओवर-प्रोटेक्टिव ना हों। इससे उनका आत्मविश्वास बूस्ट अप नहीं होता। जिसके कारण वह अपने मन के डर को दूर नहीं कर पाते।
- अगर किसी भी उपाय से आपको पर्याप्त रूप से लाभ ना हो तो ऐसे में आप प्रोफेशनल हेल्प भी ले सकते हैं।

रसोई में रखी खाने की ये चीजें नहीं होती कभी खराब, लंबे समय तक कर सकते हैं स्टोर

बाजार से खाने-पीने की चीजें खरीदकर घर लाते ही सबसे पहले लोग उसे खराब होने से बचाने के लिए स्टोर करने का सही तरीका खोजते और अपनाते हैं। खाने-पीने की चीजें अक्सर जल्दी खराब हो जाती हैं, यही वजह है कि लोग उसे जल्दी खाकर खत्म कर देते हैं। पर क्या आप जानते हैं आपकी किचन में मौजूद खाने पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें उनके पोषण तत्वों के साथ लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। आइए जानते हैं किचन में मौजूद ऐसी ही कुछ खाने की चीजों के बारे में जिनकी नहीं होती कभी एक्सपायरी।

सफेद चावल

सफेद चावल को अनिश्चित काल तक स्टोर करके रखा जा सकता है। एक शोध की मानें तो सफेद चावल 30 वर्षों तक अपने पोषक तत्व और स्वाद को बनाए रख सकते हैं।

सरसों के दाने

अगर आप अच्छे ब्रांड के सरसों दाने इस्तेमाल करते हैं तो खुला रहने के बावजूद आप इन्हें एक वर्ष से अधिक समय तक भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

ड्राई बीन्स

अध्ययन के अनुसार, बीन्स का सेवन व्यक्ति 30 साल बाद भी खाने के लिए कर सकता है। बीन्स आपातकालीन भोजन के लिए प्रोटीन से भरपूर भोजन का एक बेहतर विकल्प माना गया है। बीन्स को अच्छी तरह से एयर टाइट कंटेनर में लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है।

चीनी

लंबे समय तक स्टोर की जाने वाली चीजों में चीनी का भी नाम शामिल है। चीनी भी लंबे समय तक अपने पोषण से भरपूर गुणों को खोए बिना स्टोर की जा सकती है। इसके लिए आप चीनी को किसी एयरटाइट कंटेनर में बंद करके लंबे समय तक के लिए रखें।

नमक

नमक को भी चीनी की ही तरह लंबे समय के लिए अपनी गुणवत्ता खोए बिना स्टोर किया जा सकता है। नमक को ठीक से स्टोर करने से न तो इसमें कभी गुलठियां पड़ती हैं और न ही कभी इसमें कीड़े लगते हैं।

बैचलर पार्टी के लिए खुद को इस तरह करें रेडी

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में है। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं।

वो जमाने लद गए, जब केवल पुरूष ही शादी से पहले बैचलर पार्टी किया करते थे। आज के दौर में लड़कियां भी बैचलर पार्टी करना पसंद करती हैं। जिसमें वह अपनी फ्रेंड्स के साथ मिलकर आखिरी बार अपने बैचलर हुड को एन्जॉय करती हैं। वैसे शादी से पहले की जाने वाली यह बैचलर पार्टी लड़कियों के लिए बेहद खास होती है और इसलिए वह इसकी काफी सारी तैयारियां भी करती हैं। इन सभी तैयारियों के बीच एक तैयारी यह भी होती है कि बैचलर पार्टी के लिए खुद को किस तरह रेडी किया जाए। तो चलिए आज हम आपको बैचलर पार्टी के लिए खुद को स्टाइल करने के कुछ तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो कोई कलर कोड या डेस कोड को भी अपनी पार्टी का हिस्सा बना सकती हैं। इससे सिर्फ आपको ही रेडी होने में आसानी नहीं होगी, बल्कि हर गेस्ट खुद को आसानी से स्टाइल कर पाएगा। साथ ही इसमें आप सभी को काफी मजा भी आएगा।

कंफर्ट को दें प्राथमिकता

बैचलर पार्टी वास्तव में ढेर सारी मौज-मस्ती करने के लिए होती है। इसलिए ऐसे में आप चाहे जो भी पहनें, लेकिन आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि उसमें आप खुद को कंफर्टेबल महसूस कर पाएं ताकि आप खुलकर एन्जॉय कर सके। जरा सोचिए कि अगर आपने बैचलर पार्टी के लिए हैवी लॉन्ग गाउन कैरी किया तो फिर आप पार्टी में खेले जाने वाले गेम्स को किस तरह एन्जॉय करेंगी। इसलिए आपका आउटफिट लाइटवेट और कंफर्टेबल होना चाहिए। फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, अपनी बैचलर पार्टी को रॉकिंग बनाने और उसमें अपने स्टाइल का जलवा बिखेरने के लिए आप अपने लुक में एक एक्स फैक्टर एड कर सकती हैं। अगर आपका कलर कोड या डेस कोड सेम नहीं है तो भी आप अपनी एसेसरीज को एक जैसा रखने की कोशिश करें। मसलन, आप किसी खास तरह के हेडबैंड या कैप्स आदि को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। इससे आप सभी फ्रेंड्स अलग-अलग दिखकर भी एक जैसी ही नजर आएंगी। यह देखने में काफी कूल लगेगा।

गर्मियों में इन्वर्टर का ऐसे रखें ख्याल

गर्मी के मौसम में जब आधी रात को अचानक से बिजली गुल हो जाए और इन्वर्टर भी खराब हो तो मानों कोई बहुत बड़ी विपदा आन पड़ी हो। ऐसी मुसीबत से लगभग हर कोई बचना चाहेगा। गर्मियों के मौसम में जगह-जगह घंटों तक बिजली का गुल होना आजकल आम बात है। कुछ शहरों में तो पूरे दिन बिजली का अता-पता नहीं रहता। ऐसे समय में लगभग सभी घर में इन्वर्टर का महत्व बहुत अधिक हो जाता है। लेकिन, कई बार इन्वर्टर और बैटरी खराब होने की वजह से गर्मी के मौसम में जान निकल जाती है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है। अगर आप भी घर में इन्वर्टर का इस्तेमाल करती हैं तो आपको भी इस आर्टिकल को जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि, इस लेख में हम आपको कुछ शानदार टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी को जल्दी खराब होने से आप बचा सकती हैं।

अधिक लोड न दें

अगर आपको इन्वर्टर और बैटरी को जल्दी खराब होने से बचाना है तो फिर आपको बैटरी पर अधिक लोड देने से बचना चाहिए। गर्मियों के मौसम में जरूरत से अधिक लाइट्स जलाने या पंखा चलाने से बचें। कई बार घर में लाइट नहीं होने पर महिलाएं इन्वर्टर से ही मिक्सी चलाने लगती हैं या फिर कई बार आयरन भी इन्वर्टर से ही करती हैं जिससे बैटरी जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे में अगर आपको इन्वर्टर की बैटरी की हेल्थ को सही रखनी है तो उस पर अधिक लोड न दें। दिन में आप सभी लाइट्स को ऑफ कर सकती हैं।

एसिड लेवल चेक करते रहें

गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी जल्दी खराब न हो इसके लिए समय-समय पर एसिड लेवल चेक करते रहना बहुत जरूरी है। कहा जाता है कि अगर बैटरी में एसिड लेवल सामन्य स्तर से कम है तो बैटरी में मौजूद कार्बन प्लेस्ट पर बुरा असर पड़ता है जिसकी वजह से बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। (सोलर इन्वर्टर की देखभाल) ऐसे में समय-समय पर बैटरी में डिस्टिल्ड वाटर को डालते रहना चाहिए, जिससे बैटरी की लॉन्ग लाइफ बरक्रार रहे।

फुल चार्ज होने के बाद करें इस्तेमाल

लाइट नहीं होने पर इन्वर्टर का इस्तेमाल करते हैं और जब बैटरी एकदम से बैठ जाती है तो उसे फुल चार्ज होने में लगभग 5-6 घंटा लगता है। अगर फुल चार्ज होने से पहले ही इन्वर्टर की बैटरी का इस्तेमाल करते हैं तो बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। कई बार फुल चार्ज नहीं होने पर वोल्टेज का प्रभाव भी कम रहता है। कई बार लाइट्स भी अप एंड डाउन होने लगती हैं। ऐसे में एक बार बैटरी बैठने के बाद जब तक फुल चार्ज नहीं हो जाए तब तक इन्वर्टर का इस्तेमाल न करें।

कनेक्शन पॉइंट की करें सफाई

आपको बता दें कि बैटरी में जिस जगह लाइट की तार जुड़ी होती है उस जगह कई बार कार्बन पकड़ लेता है जिससे बिजली का प्रभाव बहुत कम हो जाता है। ऐसे में सबसे पहले स्विच ऑफ करके कनेक्शन पॉइंट की सफाई कर लें। इस प्रक्रिया को महीने में एक से दो बार जरूर करें। इससे बैटरी जल्दी खराब होने से बच सकती है। कई लोग कनेक्शन पॉइंट को टर्मिनल पॉइंट भी बोलते हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- इन्वर्टर की बैटरी को किसी नमी वाली जगह रखने से बचें।
- बैटरी को दीवार, दरवाजा आदि चीजों से एक से दो इंच दूर ही रखें।
- अगर आपको सफाई करने या फिर एसिड बदलने में डर लगता है तो आप किसी एक्सपर्ट की मदद ले सकती हैं।
- बैटरी को किसी भी चीज से ढककर न रखें।

कुछ हल्का खाने का मन हो तो बनाएं कॉर्न पुलाव

कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें।

रविवार का दिन हो तो कुछ हल्का और टेस्टी खाने का मन करता ही है। दरअसल, छुट्टी के दिन हम सभी रिलैक्सिंग मूड में होते हैं और इसलिए किचन में बहुत अधिक वक्त बिताने का मन नहीं करता। हो सकता है कि आप भी यही सोच रही हों कि इस संडे क्या बनाया जाए। अगर आप भी कुछ हल्का और डिलिशियस खाना चाहती हैं तो कॉर्न पुलाव तैयार कर सकती हैं। चावल की मदद से बनने वाली यह डिश बनाने में जितनी आसान होती है, खाने में उतनी ही लाजवाब होती है। तो चलिए जानते हैं कि कॉर्न पुलाव बनाने के लिए आपको क्या करना होगा-

सामग्री- तीन चौथाई कप मकई के दाने उबले हुए, डेढ़ कप चावल करीबन आधे घंटे तक भिगोए हुए, 1 बड़ा चम्मच तेल, काली मिर्च 5-6, लौंग 4-5, दालचीनी एक छोटा टुकड़ा, हरी इलायची 3-4, 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, प्याज 1 मध्यम कटा हुआ, नमक स्वाद अनुसार, हल्दी पाउडर, हरी मिर्च तिरछी कटी हुई

विधि- कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें। अब इसमें प्याज, हरी मिर्च व हल्दी डालकर चलाएं। प्याज गोल्डन कलर के हो जाने के बाद इसमें चावल डालें और करीबन दो मिनट के लिए हिलाएं। अब इसमें पानी और कॉर्न डालें। साथ ही स्वादानुसार नमक डालकर मिक्स करें। लिड लगाकर कुकर का ढक्कन बंद कर दें। धीमी आंच पर दो सीटी आने तक इसे पकाएं। कॉर्न पुलाव बनाने वालों का कहना है कि इसे कई तरीकों से बनाया जा सकता है। मसलन, आप इसमें कॉर्न के अलावा अपनी पसंद की सब्जी जैसे मटर, टमाटर, शिमलामिर्च, पनीर आदि को भी मिक्स करके इस कॉर्न पुलाव को और भी ज्यादा हेल्दी और टेस्टी बना सकते हैं। वैसे सिर्फ कॉर्न व प्याज के साथ भी इसका टेस्ट गजब का आता है।

शुभ है वास्तु के अनुसार बोनसाई रखना

समय के साथ लाइफस्टाइल में भी काफी बदलाव आ रहे हैं। कई लोग नेचर में सुकून ढूंढते हैं इसके लिए लोग घरों में पेड़ पौधें लगाने लगे हैं। इन दिनों बोनसाई के पेड़ काफी ट्रेंडिंग में चल रहे हैं। लोग इस छोटे से पेड़ को अपने घर में रखना पसंद कर रहे हैं। कोई अपने शौक के लिए इसे रख रहा है तो कोई प्रकृति प्रेमी होनी की वजह से। लेकिन वास्तु के अनुसार इस पेड़ को रखना शुभ माना गया है। तो आइए जानते हैं कारण -

- कहते हैं अगर आपको बहुत गुस्सा आता है या आप फ्रस्टेट हो जाते हैं तो इससे आपको बहुत शांति मिलती है।

जी हां, इसे घर में रखने से आपका मन शांत रहेगा और आपको प्रोडक्टिव रहने में भी मदद करेगा।

- बोनसाई के पौधे घर की हवा को प्यूरीफाई करते हैं। यह घर की हवा में मौजूद टॉक्सिन को बाहर करते हैं। इससे सांस लेने में आसानी होती है और हवा को शुद्ध करता है।
- इस पेड़ को घर में रखने से आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। कई बीमारियों से आपको दूर रखता है। इतना ही नहीं यह आपके अंदर सकारात्मकता बढ़ाता है।
- कई बार लोग हड़बड़ी में कोई काम करके या निर्णय लेकर पछताते हैं। ऐसे में बोनसाई पेड़ आपकी मदद करेगा।ह आपको धैर्यवान, तनाव मुक्त रखेगा।

क्रेडिट सुइस बैंक में यूबीएस कर रहा कर्मचारियों की छंटनी

वाशिंगटन । क्रेडिट सुइस बैंक में यूबीएस बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी कर रहा है। कम से कम 20 से 30 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी की जा सकती है। ऐसे में लगभग 36,000 कर्मचारियों पर इसका असर दिखेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक यूबीएस द्वारा क्रेडिट सुइस बैंक के टेकओवर के बाद से ही बैंक में बड़े पैमाने पर छंटनी के कयास लगाए जा रहे थे। बैंक द्वारा की जाने वाली छंटनी का असर स्विट्जरलैंड के अलावा बाकी देशों के कर्मचारियों पर भी पड़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ स्विट्जरलैंड में 11,000 कर्मचारियों पर इस छंटनी का असर पड़ेगा। यूबीएस और क्रेडिट सुइस बैंक दोनों मिलाकर स्विट्जरलैंड में कुल 1.25 लाख लोगों को रोजगार देते हैं जो कि देश की कुल रोजगार का 30 फीसदी हिस्सा है। ध्यान देने वाली बात ये है कि पिछले महीने क्रेडिट सुइस ने यूबीएस के अधिग्रहण से पहले ही अपने 9,000 कर्मचारियों की छंटनी का फैसला किया था। ऐसे में दोनों बैंकों के मर्जर के बाद कई विशेषज्ञ ने यह पहले ही अनुमान लगाया था कि आने वाले वक्त में क्रेडिट सुइस बैंक में बड़े पैमाने पर छंटनी देखी जा सकती हैं। अब इसका इसका साफ असर देखा जा सकता है। साल 2023 में ग्लोबल बैंकिंग संकट की शुरुआत अमेरिका के सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने के साथ शुरू हुई है। इसके बाद अमेरिका का सिग्नेचर बैंक भी कुछ दिन के बाद डूब गया। अमेरिका में शुरू हुए इस बैंकिंग संकट की आहट यूरोप तक पहुंच गई और स्विट्जरलैंड का 16 वां सबसे बड़ा बैंक क्रेडिट सुइस बैंक भी डूब गया।

मार्च में मैन्यूफैक्चरिंग गतिविधियां तीन महीने के उच्च स्तर पर रही

मुंबई । मार्च महीने में भारत के मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। 3 अप्रैल को आए आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2023 में भारत का एसएंडपी ग्लोबल पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) फरवरी के 55.3 के स्तर से बढ़कर 56.4 के स्तर पर आ गया है। बता दें की अगर ये आंकड़ा 50 के ऊपर रहता है तो इसका मतलब ये होता है कि मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधियों में तेजी आई है। वहीं अगर ये आंकड़ा 50 के नीचे होता है तो इसका मतलब ये होता है कि मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधियों में गिरावट आई है। बता दें कि मार्च 2023 में लगातार 21वें महीने ये आंकड़ा 50 के ऊपर रहा है। 56.4 के स्तर पर मार्च 2023 का मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई का ये आंकड़ा तीन महीने का उच्च स्तर है। एसएंडपी ग्लोबल ने कहा कि भारत के मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर ने वित्त वर्ष 2022-23 के अंतिम तिमाही में जोरदार प्रदर्शन किया है। वित्त वर्ष के अंतिम तीन महीनों में कारखानों को मिलने वाले ऑर्डर और इनके उत्पादन दोनों में तिमाही आधार पर सबसे ज्यादा बढ़त देखने को मिली है। कंपनियों ने बताया है कि इस अवधि में उनकी मार्केटिंग रणनीति ने अच्छा प्रतिफल दिया है। नए निर्यात ऑर्डर बढ़ने से मार्च में भारतीय सामानों की विदेशी मांग भी बढ़ी है। हालांकि, ऐतिहासिक स्तरों की तुलना में देखें तो नए निर्यात ऑर्डरों में बढ़त की दर सुस्त रही है। पिछले महीने जारी किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि फरवरी में सर्विसेज पीएमआई अपने 12 साल के उच्चतम स्तर 59.4 पर पहुंच गया था। मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई में मजबूती का ये आंकड़ा कल आए जीएसटी आंकड़ों के एक ही दिन बाद आया है। बता दें कि मार्च में भारत का कुल जीएसटी कलेक्शन बढ़त के साथ 1.6 लाख करोड़ रुपए पर रहा है। जुलाई 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद से यह जीएसटी कलेक्शन का दूसरा उच्चतम स्तर है।

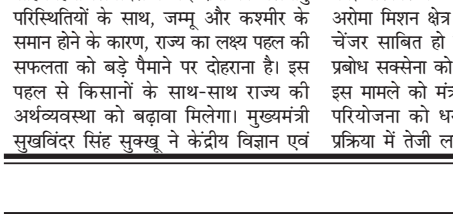

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार सोमवार हो तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन वै श्विक बाजारों से` मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीदारी) हावी रहने से बाजार में ये उछाल आया है। वाहन, बैंक और पूंजीगत सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में लिवाली से भी बाजार उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 114.92 अंक करीब 0.19 फीसदी बढ़कर 59,106.44 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में 22 लाभ में जबकि आठ शेयर नुकसान में रहे। वहीं पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 38.30 अंक तकरीबन 0.22 फीसदी ऊपर आकर 17,398.05 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी के शेयरों में 32 लाभ में जबकि 18 नुकसान में रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। वहीं गत तीन सत्रों में सेंसेक्स मजबूत हुआ है। इस दौरान वाहन, पूंजीगत वस्तु और बैंक तथा वित्तीय शेयरों में तेजी से बाजार को बल मिला है। इस दौरान आईटी, दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों और धातु शेयरों में बिकवाली से हालांकि बाजार की तेजी पर अंकुश लगा। वहीं निवेशकों के अनुसार महंगाई को लेकर स्थिति नरम होने से केंद्रीय बैंक की नीतिगत दर में

वृद्धि पर रोक लगाने की गुंजाइश हुई है। इसके अलावा तेल निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) और उसके सहयोगी देशों के उत्पादन में कटौती से मुद्रास्फीतिक पर दबाव पड़ा है।'' एक सर्वे के अनुसार भारत में विनिर्माण गतिविधियां मार्च में तीन महीने के उच्चस्तर पर पहुंच गईं। नये ऑर्डर, उत्पादन बढ़ने, मांग में मजबूती तथा लागत दबाव में कमी के बीच देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां मार्च महीने के दौरान तीन महीने के उच्चस्तर पर पहुंचीं। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त में, जबकि हांगकांग का हैंगसैंग नुकसान में रहा।

स्पाइसजेट ने कार्गो और लॉजिस्टिक्स कारोबार को अलग किया

मुंबई । स्पाइसजेट लिमिटेड ने एक अप्रैल से अपने कार्गो और लॉजिस्टिक्स व्यवसाय स्पाइसएक्सप्रेस की स्पाइसएक्सप्रेस एंड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड नाम से अलग इकाई बना दी है। कंपनी ने बताया कि इस कदम से स्पाइसजेट को 2,555.77 करोड़ रुपए का लाभ होगा और उसके नकारात्मक शुद्ध मूल्य में बड़ी कमी आएगी। इससे स्पाइसएक्सप्रेस द्वारा स्वतंत्र रूप से कोष जुटाना भी संभव हो सकेगा। स्पाइसजेट के चेयरमैन अजय सिंह ने कहा कि स्पाइसएक्सप्रेस को विभाजित करने का निर्णय कंपनी की दीर्घकालिक कारोबारी योजना के अनुरूप है और इससे लॉजिस्टिक्स कारोबार का मूल्यांकन बढ़ सकेगा। उन्होंने कहा कि कार्गो और लॉजिस्टिक्स इकाइयों को अलग करने का फैसला आने वाले समय में हमारी वृद्धि की नींव साबित होगा। कंपनी ने एक बयान में कहा` कि अपने कार्गो व्यवसाय की वृद्धि को गति देने और ग्राहकों को अधिक सुविधाजनक एवं प्रभावी सेवा मुहैया करवाने की खातिर स्पाइसजेट ने अपने कार्गो तथा लॉजिस्टिक्स व्यवसाय स्पाइसएक्सप्रेस की स्पाइसएक्सप्रेस एंड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड नाम से अलग इकाई बनाने का काम पूरा कर लिया है।

सेल्स और ब्रांडिंग में दीपक एडवरटाइजिंग का शानदार प्रदर्शन

- प्रिंट मीडिया बिज़नेस में वृद्धि से आयी मेजर ग्रोथ

भोपाल ।

कोरोना के मुश्किल दौर को पीछे छोड़ते हुए विज्ञापन की दुनिया भी अपने सुनहरे दौर में वापिस आ गई है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में विज्ञापन की हर विधा चाहे वह प्रिंट हो, टेलीविज़न हो, डिजिटल हो, आउटडोर हो या इवेंट्स हो सभी में क्लाइंट्स ने बजट बढ़ाये और शानदार रिस्पांस हासिल किया। इस बारे में बताते हुए मध्य भारत की प्रमुख विज्ञापन एजेंसी दीपक एडवरटाइजिंग के सीएमडी दीपक जेठा ने कहा कि गत वर्ष में सबसे महत्वपूर्ण बात मीडिया रेट्स का वापिस बढ़ जाना था। प्रिंट मीडिया कस्टमर तक पहुँचने के लिए सबसे विश्वसनीय और प्रभावशाली माध्यम के रूप में पहली चॉइस बन कर उभरा है। रियल एस्टेट, ज्वेलरी, एजुकेशन, हेल्थ केयर, ऑटोमोबाइल, लाइफ़स्टाइल, सर्विसेज़, इवेंट्स हर एक केटेगरी में ग्रोथ हुई है। फिर से प्रमुख क्लाइंट्स मीडिया और बजट प्लानिंग कर रहे है। आने वाला वित्तीय वर्ष काफ़ी इवेंटफुल रहने वाला है, इलेक्शंस, नवंबर की दिवाली, मेट्रो, रोड कनेक्टिविटी, आई टी सेक्टर आदि में आ रहे निवेश को देखते हुए चौमुखीं विकास होने की उम्मीद है। पिछले वर्ष के अच्छे रिज़ल्ट्स से आने वाले वर्ष के लिए उम्मीदें बढ़ गई है और क्लाइंट्स भी विज्ञापनों को सेल्स और ब्रांडिंग दोनों नज़रिए से प्लान कर रहे है। दीपक जेठा ने अगले वर्ष रिकॉर्ड स्तर पर ग्रोथ होने की संभावना जताई है जिसमें प्रिंट मीडिया का अति महत्वपूर्ण रोल रहने वाला है।

गूगल के 5जी स्मार्टफोन को खरीद सकते है सस्ते में

-सस्ते में खरीद सकते हैं फोन

नई दिल्ली ।

गूगल के सबसे सस्ते 5जी स्मार्टफोन यानी पिक्सल 6ए को आप डिस्काउंट पर खरीद सकते हैं। अगर 30 हजार रुपये के बजट में आप फोन तलाश रहे हैं, तो ये काफी ज्यादा पॉपुलर है। वैसे तो कंपनी ने इस फोन को 43,999 रुपये की कीमत पर लॉन्च किया था, लेकिन अब आप इसे 30 हजार रुपये से कम में खरीद सकते हैं। ये फोन बेहद कम कीमत पर उपलब्ध है। कंपनी ने इसे पिछले साल जुलाई में भारत में लॉन्च किया था। पिछले हफ्ते गूगल पिक्सल 6ए स्मार्टफोन 31,999 रुपये की कीमत पर बिक रहा था, लेकिन अब आप इसे 28,999 रुपये में खरीद सकते हैं। इस पर 3000 रुपये का फ्लैट डिस्काउंट इलेक्ट्रॉनिक्स सेल के तहत मिल रहा है। स्मार्टफोन सिर्फ एक कॉन्फिग्रेशन में आता है। हालांकि, आपको दो कलर ऑप्शन जरूर मिल जाते हैं। गूगल पिक्सल 6ए की बात करें तो इसमें 6.1-इंच का फुल एचडी+ ओलेड डिस्प्ले मिलता है, जो 60एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करता है। इसमें गूगल का टेन्सोर चिपसेट देखने को मिलता है। हैंडसेट 6जीबी रैम और 128जीबी स्टोरेज के साथ आता है। डिवाइस को पावर देने के लिए 4410एमएएच की बैटरी दी गई है, जो 18डब्ल्यू की चार्जिंग कैपेसिटी के साथ आता है।

सिक्योरिटी के लिए इसमें इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर दिया गया है। इसे तीन मेजर एंड्रॉयड अपडेट्स और 5 साल तक सिक्योरिटी अपडेट्स मिलते रहेंगे।ऑप्टिक्स की बात करें तो डिवाइस में डुअल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है। इसमें 12.2एमपी का मेन लेंस और 12 एमपी का अल्ट्रा वाइड एंगल लेंस मिलता है। फ्रंट में कंपनी ने 8 एमपी का सेल्फी कैमरा दिया है।

टेस्ला ने 2023 की पहली तिमाही में रिकॉर्ड 4,22,875 इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी की

4,40,000 से अधिक वाहनों का उत्पादन किया

सैन फ्रांसिस्को ।

दुनिया के अरबपति कारोबारी एलन मस्क द्वारा संचालित टेस्ला ने 2023 की पहली तिमाही में रिकॉर्ड 4,22,875 इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी की। पहली तिमाही में, इलेक्ट्रिक कार निर्माता ने 4,40,000 से अधिक वाहनों का उत्पादन किया। कंपनी ने बयान में कहा,हमारे द्वारा ईएमईए और एपीएसी के ट्रांजिट में मॉडल एस/एक्स वाहनों सहित वाहन निर्माण के अधिक समान क्षेत्रीय मिश्रण की ओर ट्रांजिशन जारी रखा। 2022 की चौथी तिमाही में टेस्ला ने 4,05,278 वाहन डिलीवर किए और 4,39,701 यूनिट्स का उत्पादन किया।

रिपोर्ट्स के अनुसार, बड़ी मात्रा में डिलीवरी शंघाई गीगाफैक्टरी में उत्पादित

वाहनों से हुई। टेस्ला 19 अप्रैल को बाजार बंद होने के बाद 2023 की पहली तिमाही के लिए अपना वित्तीय रिजल्ट जारी करेगा। टेस्ला ने हाल के दिनों में कई बार अमेरिका में अपने इलेक्ट्रिक वाहन के मूल्य निर्धारण को समायोजित किया है। कंपनी ने बिक्री को बढ़ावा देने के प्रयास में अमेरिका और यूरोप में अपने लाइनअप में ईवी की कीमतों में भारी कमी की है। इस साल की शुरूआत में इसका स्टॉक 60 प्रतिशत से अधिक गिर गया था। सबसे सस्ता ईवी, मॉडल 3 आरडब्ल्यूडी, 46,990 डॉलर से गिरकर 43,990 डॉलर हो गया है। इसके अलावा, मॉडल वाई लांग रेंज की कीमत 20 फीसदी घटकर 65,990 डॉलर से 52,990 डॉलर हो गई। मस्क ने संकेत दिया था कि कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है, क्योंकि टेस्ला कीमतों में भारी कटौती से पैदा हुई मांग को समायोजित करती है। वैश्विक यात्री इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में, टेस्ला का मॉडल वाई वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक बिकने वाला मॉडल बना हुआ है, जिसके बाद चीन स्थित बीवाईडी का सांग मॉडल है।

ग्लोबल फार्मा ने आंख की दवा की 50 हजार ट्यूब अमे रिका से वापस मंगवाईं

नई दिल्ली । ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर ने अमेरिकी बाजार से आंख की दवा की 50,000 ट्यूब को विषाणु संक्रमण के कारण वापस मंगाया है। अमेरिका फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (यूएसएफडीए) ने यह जानकारी दी। अपनी नवीनतम रिपोर्ट में अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने कहा कि चेन्नई स्थित दवा कंपनी ने अमेरिकी बाजार में आर्टिफीशियल आई ऑइंटमेंट के प्रभावित लॉट को वापस लेने का फैसला किया है। यूएसएफडीए ने कहा कि प्रभावित लॉट चेन्नई स्थित ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर द्वारा निर्मित किया गया है जबकि न्यूयॉर्क की डेलसम फार्मा द्वारा अमेरिकी बाजार में इसका वितरण किया गया।

भारत के मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ में तेजी, पीएमआई इंडेक्स 56.4 के स्तर पर

लगातार 21वें महीने ये आंकड़ा 50 के ऊपर रहा

नई दिल्ली ।

मार्च महीने में भारत के मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ में तेजी रही है। 3 अप्रैल को आए आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2023 में भारत का एस एंड पी ग्लोबल पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) फरवरी के 55.3 के स्तर से बढ़कर 56.4 के स्तर पर आ गया है। बता दें की अगर ये आंकड़ा 50 के ऊपर रहता है, तब मतलब ये होता है कि मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधियों में तेजी आई है। वहीं, अगर ये आंकड़ा 50 के नीचे होता है, तब इसका मतलब ये होता है कि मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधियों में गिरावट आई है। बात दें कि मार्च 2023 में लगातार 21वें महीने ये आंकड़ा 50 के ऊपर रहा है। 56.4 के स्तर पर मार्च 2023 का मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई का ये आंकड़ा तीन महीने का शीर्ष पर है।

एसएंडपी ग्लोबल ने कहा, भारत के मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर ने वित्तवर्ष 2022-23 के अंतिम तिमाही में जोरदार प्रदर्शन किया है। वित्त वर्ष के अंतिम तीन महीनों में कारखानों को मिलने वाले ऑर्डर और इनके उत्पादन दोनों में तिमाही आधार पर सबसे ज्यादा बढ़त देखने को मिली है। कंपनियों ने बताया है कि इस अवधि में उनकी मार्केटिंग रणनीति ने अच्छा प्रतिफल दिया है। इसके अलावा में मांग में मजबूती और कम्पिटीटिव प्राइसिंग से भी मैन्यूफैक्चरिंग गतिविधियों को बल मिला है। नए निर्यात ऑर्डर बढ़ने से मार्च में भारतीय सामानों की विदेशी मांग भी बढ़ी है। हालांकि, ऐतिहासिक स्तरों की तुलना में देखें तब नए निर्यात ऑर्डरों में बढ़त की दर सुस्त रही है।

बता दें कि हाल के महीनों में देश में उत्पादन गतिविधियों में सुस्ती देखने को मिली थी। हालांकि सर्विस सेक्टर की गतिविधियां नया हाई लगाती दिखीं थीं। पिछले महीने जारी किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि फरवरी में सर्विसेज पीएमआई अपने 12 साल के उच्चतम स्तर 59.4 पर पहुंच गया था। मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई में मजबूती का ये आंकड़ा कल आए जीएसटी आंकड़ों के एक ही दिन बाद आया है।

बता दें कि मार्च में भारत का कुल जीएसटी कलेक्शन जोरदार बढ़त के साथ 1.6 लाख करोड़ रुपये पर रहा है। जुलाई 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद से यह जीएसटी कलेक्शन का दूसरा उच्चतम स्तर है।

हिमाचल सरकार अरोमा मिशन पर केंद्र को सहयोग देने को तैयार

- सरकार राज्य के किसानों और बागवानों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित करेगी

शिमला ।

हिमाचल प्रदेश की सरकार लैवेंडर की खेती को बढ़ावा देने के लिए अरोमा मिशन पर केंद्र सरकार के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है। लैवेंडर की खेती जम्मू और कश्मीर में किसानों के लिए वरदान साबित हुई है। चंबा सहित हिमाचल प्रदेश के कई क्षेत्रों की जलवायु परिस्थितियों के साथ, जम्मू और कश्मीर के समान होने के कारण, राज्य का लक्ष्य पहल की सफलता को बड़े पैमाने पर दोहराना है। इस पहल से किसानों के साथ-साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के साथ टेलीफोन पर चर्चा की, जिन्होंने राज्य को परियोजना के लिए किसानों को तकनीकी सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा` कि इस पहल में किसानों के जीवन को बदलने और राज्य और केंद्र सरकार के बीच सहयोग की क्षमता है। अरोमा मिशन क्षेत्र में कृषि क्षेत्र के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है। मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना को निर्देश दिया गया है कि वे इस मामले को मंत्रालय के समक्ष उठाएं और परियोजना को धरातल पर लागू करने की प्रक्रिया में तेजी लाएं। राज्य पारंपरिक प्रथाओं की जगह खेती के आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने की योजना बना रहा है। इसे पूरा करने के लिए राज्य केंद्र सरकार से तकनीकी सहायता की मांग कर रहा है जो राज्य के किसानों और बागवानों को उन्मुखीकरण कार्यक्रम, प्रशिक्षण शिविर आयोजित करेगा और तकनीकी सहायता प्रदान करेगा, जिससे वे कृषि क्षेत्र में नई नवीन तकनीकों से परिचित हो सकें, कृषि क्षेत्र में सुधार कर सकें। लैवेंडर की खेती, जिसे बैंगनी क्रांति के रूप में भी जाना जाता है, किसानों के लिए एक आकर्षक विकल्प साबित हो सकती है, जिससे उनका जीवन बदल सकता है।

पीपीएफ-सकुन्या समृद्धि योजना में निवेश के लिए पैन और आधार कार्ड जरूरी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि, नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट समेत अन्य पोस्ट ऑफिस बचत योजनाओं में निवेश के लिए पैन और आधार कार्ड जरूरी कर दिया है। केंद्र सरकार ने इसके लिए 31 मार्च को एक आदेश जारी किया था। इससे पहले केवल पैन के आधार पर ही निवेश किया जा सकता था। अब से सरकार की लघु बचत योजनाओं में खाताधारकों को आधार नंबर या आधार एनरोलमेंट स्लीप लगाना जरूरी होगा। जारी आदेश के अनुसार पैन और आधार अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। अगर व्यक्ति इन योजनाओं में निवेश करना चाहता है लेकिन उनके पास आधार नंबर नहीं है तो वह एनरोलमेंट स्लीप जमा कर सकते हैं। इसके 6 महीने बाद खाताधारक को अनिवार्य रूप से आधार नंबर जमा करना होगा। अगर वह आधार नंबर जमा करने में असफल होता है तो उसके द्वारा किए गए निवेश को फ्रीज कर दिया जाएगा और आधार संख्या मिलने के बाद ही उसे दोबारा शुरू किया जाएगा। आदेश में आगे कहा गया है कि खाता खोलते समय पैन को जमा करना भी जरूरी है। अगर उस समय पैन नहीं जमा किया जाता तो अगले दो महीने के अंदर इसे सब्मिट करना ही होगा। इसके अलावा तीन और परिस्थितियां है जहां पैन जमा करना अनिवार्य होगा। अगर अकाउंट का बैलेंस 50,000 रुपए से अधिक हो जाए, किसी एक वित्त वर्ष में कुल क्रेडिट 1 लाख रुपए से अे धिक हो जाए या फिर खाते से लेनदेन और ट्रांसफर की रकम 10,000 रुपए से अधिक हो जाए। अगर पैन 2 महीने के अंदर नहीं जमा होता है तो अकाउंट फीज कर दिया जाएगा।

एनपीएस से पैसा निकालने जमा कराने होंगे जरूरी दस्तावेज

- नया नियम एक अप्रैल से लागू

नई दिल्ली ।

रिटायरमेंट फंड स्कीम नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) से पैसा निकालने के लिए आपको कुछ जरूरी दस्तावेज जमा कराने होंगे। ये नया नियम एक अप्रैल से लागू हो गया है। इन्हें कराने के बाद ही आप एनपीएस से पैसे निकाल सकते हैं। पेंशन फंड रेगुलटरी एंड डेवलपमेंट ऑथोरिटी ने कहा है कि वे लोग जो अपना पेंशन कॉर्पस से भुगतान प्राप्त और स्कीम से निकलना चाहते हैं, उन्हें एक अप्रैल, 2023 से कुछ दस्तावेजों को अपलोड करना अनिवार्य होगा।

पीएफआरडीए की ओर से जारी नोटिफिकेशन में बताया गया है कि सब्सक्राइबर और संबंधित नोडल अधिकारी, पीओपी और कॉर्पोरेट को यह सुनिश्चित करना होगा कि जरूरी चार दस्तावेज संबंधित सीआरए यूजर इंटरफेस पर अपलोड किए गए जाए। साथ ही जांचना होगा कि जो भी दस्तावेज अपलोड किए जाए, उनका प्रिंट क्लियर हो। पीएफआरडीए की ओर से ये नियम लागू होने के बाद इस स्कीम से बाहर निकलने वाले लोगों के लिए एन्युटी भुगतान तेज और आसान हो जाएगा। पेंशन फंड रेगुलटरी एंड डेवलपमेंट ऑथोरिटी (पीएफआरडीए) की ओर से जनवरी 2023 में आंशिक निकासी से जुड़े नियम बदल गए थे। पीएफआरडीए की ओर से कहा गया था कि एक जनवरी 2023 से आंशिक निकासी आवेदन संबंधित नोडल कार्यलयों में जमा कराना होगा। एक एनपीएस निवेशक योजना पूरी होने के तक की अवधि में केवल तीन बार आंशिक निकासी का लाभ उठा सकता है। एनपीएस एक पेंशन योजना है। इसमें आप रिटायमेंट के लिए जमा फंड जमा करते हैं। इसमें निवेश करने पर इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत 1,50,000 रुपए की छूट और 80सीसीडी के तहत 50,000 रुपए की अतिरिक्त छूट मिलती है।

एथलेटिक्स : केन्याई, इथियोपियाई धावकों ने 2023 शियामेन मैराथन में जीत हासिल की

(एजेंसी)। केन्या के फिलिमोन किप्टू किपचुम्बा ने रविवार को 2023 शियामेन मैराथन में पुरुषों का खिताब जीता, जबकि इथियोपिया की मेसेरेट अबेबायेहु अलेमु ने महिलाओं का स्वर्ण पदक जीता। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, किपचुम्बा, जो दौड़ के शुरूआती चरण में आगे नहीं चल रहे थे, ने फिनिशिंग लाइन को पार करने के लिए दो घंटे, आठ मिनट और चार सेकंड का समय लिया। किपचुंबा ने कहा, यह मेरी पहली बार शियामेन मैराथन में भागीदारी थी। दौड़ में मुझे रेसरों की संख्या और उत्साही दर्शकों ने प्रभावित किया। मैंने दौड़ के शुरूआती चरणों में अपनी गति बनाए रखी और अंत में गति बढ़ाना शुरू किया, यह मेरी रणनीति है। इथोपिया के लेंचो टेस्फाये अंबेसा और मोरक्को के ओमर एत चिताचेन ने क्रमशः 2:08:29 और 2:08:59 के साथ रजत और कांस्य पदक हासिल किए। महिलाओं का खिताब इथियोपिया की अलेमु ने जीता जिन्होंने 2:24:42 का समय लिया, जबकि केन्या की ग्लेडिस चेसिर किप्टागेलई 2:25:51 के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। इथियोपिया की ही गुटेनी शोन इमाना ने 2:25:58 के साथ कांस्य पदक जीता। चीन के शीर्ष मैराथन में से एक के रूप में, 2023 शियामेन मैराथन ने 35,000 प्रतिभागियों को आकर्षित किया है।

घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटन्स के खिलाफ जीत के लिए उतरेगी दिल्ली कैपिटल्स

शाम 7:30 बजे शुरु होगा मैच

नई दिल्ली । (एजेंसी)

दिल्ली कैपिटल्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीलएल) में मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर गत चैम्पियन गुजरात टाइटन्स पर जीत के इरादे से उतरेगी। दिल्ली को पहले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स से हार का सामना करना पड़ा था ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में जीत दर्ज कर लय हासिल करना रहेगा। वहीं अपने पहले ही मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली जीत से गुजरात के हौंसले बुलंद हैं और वह कैपिटल्स के खिलाफ पूरी ताकत से उतरेगी। गुजरात टीम को इस मैच में अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन के बिना ही उतरना होगा। विलियमसन घुटने की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। उन्हें शुरुआती मैच में ये चोट लगी थी।

कैपिटल्स की टीम पहले मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही नाकाम रही। उसके गेंदबाज चेतन सकारिया और मुकेश कुमार प्रभावहीन दिखे। खलील अहमद ने शुरुआती मैच में अच्छी गेंदबाजी की पर उनका क्षेत्ररक्षण कमजोर रहा। उन्होंने लखनऊ के खिलाफ कायल मायर्स का कैच गिराया था जो टीम को भारी पड़ा क्योंकि मायर्स ने इसके बाद बड़ी पारी खेली थी।

दिल्ली के पास इशांत शर्मा जैसा अनुभवी गेंदबाज है पर उनकी धार पहले जैसी नहीं रही है। इशांत का इस्तेमाल 'इंपैक्ट खिलाड़ी' के तौर पर हो सकता है। दिल्ली को इस मैच में भी अपने प्रमुख गेंदबाजों एनरिक नोर्किया और लुंगी एंगिडी का साथ नहीं मिलेगा। ऐसे में कोच रिकी पोंटिंग और क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली को टीम संयोजन बनाने के लिए काफी प्रयास करना होगा। टीम सकारिया की जगह मुस्ताफिजूर रहमान को अंतिम ग्यारह में शामिल कर सकती।

वहीं बल्लेबाजी में कप्तान डेविड वार्नर , पृथ्वी शॉ और सरफराज खान को बड़ी पारी खेलनी होगी। पहले मैच में ये तेज गेंदबाज मार्क वुड का सामना नहीं कर पाये थे। टीम को मोहम्मद शमी और पंड्या के अलावा अल्जारी जोसेफ, यश दयाल और राशिद खान के खिलाफ भी तेजी से रन बनाने होंगे। रिपल पटेल, ललित यादव और अमन हकीम खान जैसे घरेलू क्रिकेटरों ने अब तक आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन का तरीका नहीं सीखा है। दूसरी ओर गुजरात की बल्लेबाजी कप्तान हार्दिक पंड्या के अलावा शुभमन गिल, कोना भरत, रिद्धिमान साहा, राहुल तेवतिया आदि खिलाड़ियों पर आधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान अल्जारी जोसेफ, राशिद खान आदि पर आधारित रहेगी।

आईपीएल 2023 : कोहली की शानदार बल्लेबाजी के बाद धोनी चिदंबरम स्टेडियम में बिखेरेंगे अपना जलवा

चेन्नई,(एजेंसी)

विराट कोहली आईपीएल में 1427 दिनों के बाद बैंगलोर के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंचे और भारत के करिश्माई क्रिकेटर ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के प्रशंसकों को निराश नहीं किया, जो बड़ी संख्या में अपनी टीम को एक्शन में देखने के लिए पहुंचे थे। कप्तान फाफ डु प्लेसिस के साथ कोहली की शानदार दस्तक और आईपीएल में उनके तीसरे शतक ने सुनिश्चित किया कि आरसीबी को ज्यादा पसीना नहीं बहाना पड़ा और मुंबई इंडियंस पर 8 विकेट से जोरदार जीत दर्ज की। स्टार स्पोर्ट्स पर स्टार-स्टडेड कमेंट्री पैनल ने मुंबई इंडियंस की उच्च गुणवत्ता वाली गेंदबाजी लाइन-अप के खिलाफ शानदार पारी के लिए किंग कोहली की प्रशंसा की। इरफान पठान ने कहा, विराट कोहली टाटा आईपीएल के सबसे बड़े सुपरस्टार हैं। भारतीय प्रशंसक इससे ज्यादा खुश नहीं हो सकते। उन्होंने इस सीजन की शानदार शुरूआत की है। पिछले साल उनके बल्ले से रन नहीं निकल रहे थे। प्रशंसकों ने उनपर विश्वास बनाए रखा। आरसीबी के लिए विराट कोहली की फॉर्म में वापसी से बड़ी कोई खबर नहीं हो सकती है।विराट कोहली और जोफा आर्चर के बीच मैच खेल से पहले बात करने वाले बिंदुओं में से एक था। विराट ने एक बार फिर दिखाया कि वह एक महान खिलाड़ी क्यों हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर की तरह शानदार प्रदर्शन किया। जोफा आर्चर के खिलाफ लड़ाई में विराट की जीत भारतीय क्रिकेट की जीत है। भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कप्तान फाफ डु प्लेसिस के साथ कोहली और विकेटों के बीच तेजी से दौड़ने की सराहना की और दावा किया कि यह युवा क्रिकेटरों के लिए एक सबक होना चाहिए। कैफ ने स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए कहा, विकेट के बीच विराट का दौड़ना नए खिलाड़ियों के लिए एक सीख है।

जोकोविच ने एटीपी रैंकिंग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा

नई दिल्ली।

नोवाक जोकोविच मियामी ओपन में कार्लोस अल्कराज की सेमीफाइनल में हार के बाद एटीपी रैंकिंग में दुनिया के नंबर 1 स्थान पर लौट आए हैं। सर्बियाई महान, जिन्होंने हाल ही में विश्व नंबर 1 के रूप में स्टेफनी ग्राफ के 377 सप्ताह के निशान को पार कर लिया है, अपने 381वें सप्ताह की शुरूआत कर रहे हैं और 9 अप्रैल से शुरू होने वाले मोंटे-कार्लो मास्टर्स में एटीपी टूर पर लौटने वाले हैं। लेकिन मिट्टी के मौसम और उससे आगे नंबर 1 के लिए लड़ाई में एक मोड़ आ सकता है क्योंकि अल्काराज पर जोकोविच के बढ़त 380 अंक है। हालांकि, अलकराज मोंटे कार्लो में वापसी करने के लिए तैयार है, जहां उसे एक बार फिर नंबर 1 स्थान हासिल करने का मौका मिल सकता है। स्पैनियार्ड ने दो हफ्ते से भी कम समय पहले जोकोविच को हटा दिया था, जब उन्होंने इंडियन वेल्स मास्टर्स में अपने तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब पर कब्जा करने के लिए डेनियल मेदवेदेव को हराया था। 19 वर्षीय एटीपी इतिहास में सबसे युवा विश्व नंबर 1 बने, जब उन्होंने 2022 यूएस ओपन जीता। चोट के कारण एटीपी फाइनल्स से बाहर रहने के बावजूद वह शेष वर्ष शीर्ष पर रहे, लेकिन फिर जोकोविच के ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद विश्व नंबर 2 पर खिसक गए। स्पैनियार्ड ने दो हफ्ते से भी कम समय पहले जोकोविच को हटा दिया था, जब उन्होंने इंडियन वेल्स मास्टर्स में अपने तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब पर कब्जा करने के लिए डेनियल मेदवेदेव को हराया था।

मेदवेदेव ने सीजन की चौथी ट्रॉफी मियामी ओपन का खिताब जीता

(एजेंसी)

डेनियल मेदवेदेव ने अपने धमाकेदार फॉर्म को जारी रखते हुए मियामी ओपन में 1 घंटा 34 मिनट में खिताब जीत लिया। उन्होंने इटली के जानिक सिनर को 7-5, 6-3 से मात दी। मेदवेदेव का इस सत्र में खेले गए पांच फाइनल में यह चौथा खिताब है। इस सीजन में अब तक, उन्होंने रॉटरडैम, दोहा और दुबई में ट्रॉफी जीती है। रविवार रात को चौथी खिताबी जीत के साथ अब वह इस सत्र में एटीपी में शीर्ष पर हैं। 2023 मियामी ओपन चैंपियन ने कहा, मैं खुश हूं। यह मेरे लिए अब तक के सीजन की सबसे अच्छी शुरूआत है। निश्चित रूप से इस समय कोई ग्रैंड स्लैम नहीं था, लेकिन हां, आम तौर पर सीजन के लिए भी उत्सुक हूं। मेदवेदेव अब सिनर के खिलाफ अपने एटीपी हेड-टू-हेड में 6-0 से आगे हैं, फरवरी में रॉटरडैम फाइनल में इतालवी को भी हराया था।इस साल इंडियन वेल्स और मियामी फाइनल में पहुंचकर 27 वर्षीय 2020 में जोकोविच के बाद लगातार एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचने वाले पहले व्यक्ति बन गए। सीजन में उनकी 29 जीत एटीपी टूर का नेतृत्व करती हैं।

संक्षिप्त समाचार

अर्जुन तेंदुलकर को जगह नहीं मिलने से प्रशंसक नाराज

नई दिल्ली । अर्जुन तेंदुलकर पिछले तीन सत्र से आईपीएल का हिस्सा हैं पर वह अभी तक पदार्पण नहीं कर पाये हैं। टीम ने इस सीजन के अपने पहले मैच में भी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ भी अर्जुन को अवसर नहीं दिया। अर्जुन को इम्पैक्ट प्लेयर के लिए जारी खिलाड़ियों की सूची में भी जगह नहीं मिली। यह प्रशंसकों के लिए बड़ा झटका है क्योंकि अर्जुन ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। सोशल मीडिया पर अर्जुन को टीम में शामिल नहीं करने से नाराज प्रशंसकों का कहना है कि जिस प्रकार उन्होंने रणजी में मुम्बई टीम को छोड़कर गोवा से खेलना शुरु कर दिया है। उसी प्रकार उन्हें मुंबई इंडियंस को छोड़ देना चाहिए। वैसे अगर ऐसा होता है तो इसमें किसी को हैरान नहीं होना चाहिये। पिछले दो सत्र में वह बेंच पर ही बैठे रह गये हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा और कोच मार्क बाउचर की क्या रणनीति है इसे वही जानते हैं। ऐसे में अब देखना होगा कि अगले मैच में अर्जुन को अवसर मिलता है या नहीं।

विराट ने तिलक और नेहल को दिये टिप्स

बैंगलोर । रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली मुंबई इंडियंस पर मिली शानदार जीत के बाद युवा खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए दिखे। इस दौरान विराट ने मुंबई इंडियंस के युवा बल्लेबाजों तिलक वर्मा और नेहल वढेरा को कुछ सलाह भी दी। इस मैच में तिलक ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली थी। इस मैच में तिलक और नेहल के बीच अच्छी साझेदारी भी हुई। तिलक ने 46 गेंदों में 9 चौके और 4 छक्के के बल पर नाबाद 84 रन बनाये, जबकि नेहल ने 2 छक्के और एक चौका लगाकर 21 रन बनाये। तिलक ने अपने 84 रन, 46 गेंदों पर बनाये। इसमें 9 चौके और 4 छक्के शामिल थे। वहीं अपना पहला ही मैच खेल रहे नेहल वधेरा ने 13 गेंद पर 21 रन बनाये। इन दोनो के बीच ही पांचवें विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी हुई। विराट ने तिलक के साथ-साथ नेहल वढेरा को भी बल्लेबाज़ी के गुर सिखाये। विराट ने दोनो युवा बल्लेबाज़ो को कवर ड्राइव और पुल शॉट की तकनीक बतायी। इसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं। लीग में पदार्पण कर रहे अरशद खान 15 के साथ तिलक ने आठवें विकेट के लिए भी 17 गेंदों पर 48 रन बनाये। पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस पिछले सीजन 10वें और आखिरी स्थान पर थी और तब टीम के कप्तान रोहित शर्मा का प्रदर्शन बेहद औसत रहा था। इस बार भी मुम्बई संघर्ष करती दिखी और रोहित भी 10 गेंदों पर केवल 1 रन ही बना पाये।

विराट ने जब भी बनाये 82 रन जीती है टीम

बेंगलुरु । (एजेंसी)

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की मुम्बई इंडियंस के खिलाफ जीत में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की अहम भूमिका रही। इसे संयोग कहें या कुछ और विराट जब भी 82 रन बनाते हैं उनकी टीम को जीत मिलती है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल को कुल मिलाकर देखा जाये तो अब तक 11 बार विराट ने 82 रनों की पारी खेली है जिसमें से दस बार उनकी टीम जीती है। इसमें 5 बार वह नाबाद रहे हैं और पांचों बार टीम को जीत मिली है। वहीं अब आईपीएल में दूसरी बार उन्होंने नाबाद 82 रनों की पारी खेली, जिसमें टीम को जीत मिली है। हैरान करने वाली बात ये है कि दोनों बार उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ ये परियों खेली थी। विराट ने जब 82 रनों की पारी खेली हो और टीम हारी हो ऐसा केवल एक बार हुआ है। अब तक 11 अवसरों पर विराट ने नाबाद 82 रन बनाए हैं और इसमें से टीम को 10 बार जीत हासिल हुई है। एक बार टेस्ट क्रिकेट में ऐसा हुआ है, जबकि दो बार आईपीएल में विराट ने ऐसा किया है। वहीं, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विराट ने 3 बार 82 रन बनाए हैं और एकदिवसीय क्रिकेट में 4 बार ये उपलब्धि हासिल की है। विराट ने आईपीएल में साल 2015 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 50 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्कों की मदद से 82 रनों की नाबाद पारी खेली थी। वहीं अब

उन्होंने 49 गेंदों में मुम्बई के ही खिलाफ नाबाद 82 रन बनाए। दोनों बार टीम को जीत हासिल हुई है। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय में विराट ने तीन बार 82 रन बनाये थे और तीनों ही बार टीम को जीत मिली है। विराट ने आईपीएल की तरह ही तीन बार टी20 क्रिकेट में 82 रनों की पारी खेली है और तीनों बार टीम को जीत मिली है।

पिछले एक दशक से पहला मैच हारती रही है मुंबई इंडियंस

बेंगलूर । सबसे अधिक पांच बार की खिताब विजेता मुंबई इंडियंस पिछले एक दशक से अपना शुरुआती मैच हारती रही है। उसका ये रिकार्ड 16 वें सत्र में भी बना हुआ है। इस बार उसे उसके रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। मुंबई इंडियंस साल 2013 के आईपीएल से अब तक एक बार भी सत्र का पहला मैच नहीं जीत पायी है। इस टीम को आईपीएल में सत्र का अपना पहला मैच जीते 11 साल हो गए हैं। इस दौरान मुंबई इंडियंस केवल 5 बार ही आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम करने में भी सफल रही है। आईपीएल 2013 में उसे पहले ही मैच में आरसीबी ने दो रन से हराया था। वहीं आईपीएल 2014 में मुंबई इंडियंस को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के हाथों 41 रन से हार का सामना करना पड़ा। वहीं आईपीएल 2015 में भी उसे केकेआर ने तीन विकेट से हराया। आईपीएल 2016 में मुंबई को पहले ही मुकाबले में राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स ने 9 विकेट से हराया था। आईपीएल 2017 में भी राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स 7 विकेट से जीती थी। आईपीएल 2018 में मुंबई इंडियंस को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) से एक विकेट से हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल 2019 में मुंबई इंडियंस को दिल्ली कैपिटल्स ने 37 रन से हराया। आईपीएल 2020- में सीएसके 5 विकेट से जीता जबकि आईपीएल 2021 में उसके आरसीबी के हाथों दो विकेट से हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल 2022 में मुंबई इंडियंस को दिल्ली कैपिटल्स के हाथों चार विकेट से हार मिली।

नटराजन ने अच्छी वापसी की : लारा

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच ब्रायन लारा ने युवा तेज गेंदबाज टी नटराजन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसने चोट से वापसी करने के बाद भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। आईपीएल के शुरुआती मुकाबले में नटराजन ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ तीन ओवर में ही 23 रन देकर दो विकेट लिए। नटराजन के पहले ही ओवर में 17 रन बने पर इसके बाद इस गेंदबाज ने अगले दोनो ओवरों में लय हासिल करते हुए केवल 6 रन ही दिये। थे। लारा ने कहा, 'नटराजन चोट के बाद वापसी कर रहा है। अपने शुरुआती ओवर के बाद उसने जिस तरह से वापसी की वह काफी प्रभावशाली संकेत था। लारा ने कहा, 'हमारे गेंदबाजों ने आखिरी आठ ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया। एक समय ऐसा लग रहा था कि हम 225 से अधिक रन के लक्ष्य का पीछा करेंगे पर इसके बाद हमने राजस्थान रॉयल्स को 200 रन के करीब ही रोक दिया। इस मैच में कुछ सकारात्मक बातें दिखीं और खिलाड़ी यहां से सुधार कर सकते हैं। लारा ने इस अवसर पर पहले गेंदबाजी करने के फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा, 'हमने अभ्यास पिचों पर अभ्यास के बाद यह महसूस किया था कि यहां गेंद को अधिक उछाल मिल रहा है। हमारी टीम की गेंदबाजी अच्छी थी, इसीलिए हमने पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। हमारा लक्ष्य विरोधी टीम पर दबाव बनान था हालांकि हम उसमें सफल नहीं हुए।

रोनाल्डिन्हो के खेल को देखकर मुझे फुटबॉल से प्यार हो गया : ऋत्विक दास

(एजेंसी)

ऋत्विक कुमार दास ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के पिछले कुछ सत्रों में एक युवा प्रतिभा से देश के सर्वश्रेष्ठ विंगर्स में से एक के रूप में प्रतिष्ठा पाई है। जमशेदपुर एफसी में शामिल होने के बाद से दास क्लब के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी बन गए हैं, उन्होंने महत्वपूर्ण गोल किए और अपने साथियों के लिए मौके भी बनाए। रेड माइनर्स के साथ अपने पहले सीजन में उन्होंने चार गोल किए और 17 प्रदर्शनों में एक सहायता प्रदान की, जिससे क्लब को अपनी पहली लीग विनर्स शील्ड जीतने में मदद मिली। उनके प्रभावशाली प्रदर्शन पर राष्ट्रीय टीम के कोच इगोर स्टिमक का ध्यान गया और उन्हें मई 2022 में भारतीय राष्ट्रीय टीम में बुलाया गया, लेकिन चोट के कारण विंगर को शिविर से हटना पड़ा। 2022-23 सीजन में दास का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय था। उन्होंने 18 मैचों में 6 गोल किए थे। उन्होंने आखिरकार मार्च 2023 को म्यांमार के खिलाफ भारत के लिए डेब्यू किया। जमशेदपुर एफसी के साथ एक साक्षात्कार में खिलाड़ी ने अपनी जमीनी स्तर की फुटबॉल कहानी के बारे में बात की और उस खिलाड़ी का खुलासा किया, जिसकी वह सबसे अधिक प्रशंसा करता है। ऋत्विक ने जमशेदपुर एफसी को बताया, जब मैंने 2006 में फीफा विश्व कप देखा, तो मैंने रोनाल्डिन्हो को खेलते देखा। मेरे पिता खेल देख रहे थे और मैं बहुत छोटा था। रोनाल्डिन्हो के खेल को देखकर मुझे फुटबॉल से प्यार हो गया। दास आसनसोल शहर में पले-बढ़े और बहुत कम उम्र में फुटबॉल खेलना शुरू कर दिया। वह एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जिन्होंने कोलकाता में मोहन बागान अकादमी में शामिल होने से पहले स्थानीय टीमों के साथ अपनी यात्रा शुरू की। दास अपने गृहनगर से कोलकाता हर दिन पांच घंटे की यात्रा करते थे और फुटबॉल को करियर के रूप में अपनाया। मिडफील्डर ने अपने अकादमी के दिनों के बारे में बात की और एक खिलाड़ी के रूप में अपने उल्लेखनीय परिवर्तन को साझा किया।दो साल बाद, उन्होंने कोलकाता में अपनी पेशेवर यात्रा शुरू की, जहां उन्होंने रियल कश्मीर एफसी द्वारा स्काउट किए जाने से पहले कलकत्ता कस्टम्स और कालीघाट मिलन संघ के लिए खेला।

आईपीएल सत्र में चाहर को फिट बने रहने की उम्मीद

मुम्बई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज दीपक चाहर को उम्मीद है कि वह इस 16 वें आईपीएल सत्र में अपनी फिटनेस बनाये रखने का प्रयास करेंगे। चाहर ने चोटिल होने के कारण लंबे समय बाद वापसी की है। ऐसे में अब वह एक बार फिर चोटिल होकर बाहर नहीं होना चाहते हैं। चाहर के अनुसार वह इस आईपीएल के पूरे सत्र को बिना चोट के खेलने की उम्मीद कर रहे हैं। चाहर पिछले साल आठ महीने से अधिक समय फ्रैक्चर और ग्राड ग्रेड 3 टियर के कारण बाहर हो गए थे। चाहर का मानना है कि तेज गेंदबाज के लिए चोट के बाद वापसी करना काफी कठिन होता है। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि चोटों से कैसे निपटना है पर इस बार यह समय कुछ ज्यादा ही लंबा हो गया था। यह कम से कम आठ महीने था। एक तेज गेंदबाज के लिए चोट से वापसी करना काफी मुश्किल काम होता है। उम्मीद है कि फिर से ऐसा नहीं होगा और मैं इस पूरे सीजन और साल में चोट से बचा रहूंगा। उन्होंने कहा कि वह सीएसके जैसी टीम का सदस्य बनकर अपने को भाग्यशाली मानते हैं। चाहर ने कहा, मैं एक अच्छी टीम और अच्छे माहौल का हिस्सा बनने के लिए भाग्यशाली रहा हूं। यदि आपके पास ऐसा माहौल है, जहां हर कोई एक-दूसरे का समर्थन कर रहा है। अगर आप हमेशा टूर्नामेंट जीतने की बात कर रहे हैं। वहीं आप फाइनल में पहुंचते हैं और उसे जीतते हैं। चाहर 2021 के आईपीएल में सीएसके की खिताबी जीत में शामिल थे।

सूरत सेशंस कोर्ट से राहुल गांधी को राहत, मामले की सुनवाई 13 अप्रैल को

अहमदाबाद। सूरत की सेशंस कोर्ट से कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद राहुल गांधी को फिलहाल राहत मिल गई है। मानहानि केस में दो साल की सजा पर स्टे की मांग पर सेशन कोर्ट में 13 अप्रैल को सुनवाई होगी। साथ ही सोमवार को सेशन कोर्ट ने राहुल गांधी को नियमित जमानत भी दे दी। राहुल गांधी द्वारा सीजेएम कोर्ट के फैसले को चुनौती देने के बाद अब मामले में याचिकाकर्ता को 10 अप्रैल तक अपना जवाब कोर्ट में दाखिल करना होगा। इसके बाद कोर्ट 13 अप्रैल को राहुल की अपील पर सुनवाई करेगी। तब वहीं कोर्ट 3 मई को सस्पेंशन ऑफ कविक्शन पर सुनवाई होगी। 2019 के लोकसभा चुनाव से जुड़े मानहानि के मामले में 23 मार्च को सूरत की सीजेएम कोर्ट ने फैसला सुनाया था। इसके अगले दिन राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता चली गई थी। मोदी सरनेम मानहानि केस में सजा के खिलाफ राहुल गांधी ने 11वें दिन अपील दाखिल की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी निर्धारित कार्यक्रम के तहत दिल्ली से बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ सूरत पहुंचे। इसके पहले उनके स्थानीय वकील किरीट पानवाला ने ढ़ाई बजे के करीब सेशन कोर्ट में अपील दाखिल की। राहुल गांधी के वकील की तरफ दो आवेदन कोर्ट में दाखिल हुई। इसमें से पहला आवेदन सीजेएम कोर्ट के फैसले पर रोक के लिए थी। तब दूसरा आवेदन जमानत के लिए था। राहुल गांधी एयरपोर्ट से सीधे आठवा लाइंस स्थित जिला सत्र एवं न्यायालय पहुंचे और सेशन कोर्ट में हाजिर हुए। जहां उनकी दोनों अर्जियां स्वीकार की गई और सजा पर स्टे के लिए 13 अप्रैल की तारीख निर्धारित की गई, जबकि कोर्ट ने जमानत की अर्जी को स्वीकारते हुए उन्हें नियमित बेल दे दी और अगली सुनवाई के लिए तीन मई की तारीख निर्धारित की।

मोदी सरनेम वाले बयान को लेकर अदालत ने राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई थी। उन्हें अपील के लिए 30 दिन का वक्त दिया गया था। आदेश के बाद राहुल की सांसदी भी चली गई थी। अगर ऊपरी अदालत सजा पर रोक नहीं लगाती है तब वह आठ साल तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। राहुल गांधी सूरत की सीजेएम कोर्ट के फैसले को सेशंस कोर्ट में चुनौती दी है। राहुल गांधी की ओर अपील दाखिल होने से पहले राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने बीजेपी पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। गहलोत ने कहा कि बीजेपी बदले की भावना से विपक्ष नेताओं पर कार्रवाई कर रही है।

अप्रैल महीने में गुजरात में रहेगा अषाढी माहौल, तेज हवा और गरज के साथ होगी बारिश

अहमदाबाद। मार्च महीने में बेमौसमी बारिश में हुए नुकसान से किसान अभी उबरे नहीं थे कि फिर एक बार उनकी मुश्किलें बढ़ाने वाली खबर सामने आई है। मौसम विभाग ने 5 से । अप्रैल के दौरान उत्तर गुजरात और सौराष्ट्र में बेमौसमी बारिश की भविष्यवाणी की है। अप्रैल महीना शुरू होने के बावजूद गुजरात में बेमौसमी बारिश जाने का नाम नहीं ले रही। ऐसे में मौसम विभाग ने अप्रैल महीने में भी गुजरात अषाढी माहौल रहने की संभावना व्यक्त की है। वेस्टन डिस्टर्बन्स के कारण गुजरात में आंधी और गरज के साथ बेमौसमी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 5 अप्रैल को कच्छ, मोरबी, जामनगर, सुरेन्द्रनगर, भावनगर और देवभूमि द्वारका में बेमौसमी बारिश होगी। 6 अप्रैल को कच्छ के अलावा बनासकांठा, अरवल्ली और महीसागर में तथा । अप्रैल को कच्छ, सूरत, तापी व डांग इत्यादि जिलों में बारिश की संभावना है। मार्च महीने में कई दौर में बेमौसमी बारिश के कारण कृषि और बागायती फसलों को व्यापक नुकसान हुआ है। बेमौसमी बारिश की वजह से दिन में गर्मी और रात को ठंड महसूस होती है। अप्रैल महीने के शुरुआत में भी ऐसा ही वातावरण बरकरार है और बेमौसमी बारिश की संभावनाओं को देखते हुए आगामी कुछ दिनों तक ऐसे मौसम के जारी रहने की संभावना है।

एसएमसी की खनिज चोरों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही, 12.64 करोड़ के माल-सामान समेत 30 गिरफ्तार

मोरबी। स्टेट मोनिटरिंग सेल (एसएमसी) ने मोरबी जिले में खनिज चोरों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए रेती और वाहनों समेत कुल रु. 12.64 करोड़ का माल सामान जब्त कर लिया। एसएमसी की कार्यवाही के बाद मोरबी जिला पुलिस और भूविज्ञान अधिकारियों में हड़कम्प मच गया है। जानकारी के मुताबिक मोरबी जिले के हलवद तहसील से गुजरती ब्रह्माणी नदी में रेत चोरी की सूचना एसएमसी को मिली थी। जिसके आधार पर एसएमसी के पीएसआई सीएन परमार के नेतृत्व में ब्रह्माणी नदी में चल रही खनिज चोरी के स्थल पर रेड की। एसएमसी की टीम ने घटनास्थल से 12 हिटाची मशीन, 13 डम्पर ट्रक, 2 ट्रक, 2 ट्रेक्टर ट्रोली और 8 2.130 टन रेत समेत कुल रु. 12.64 करोड़ का माल-सामान जब्त कर लिया। साथ ही जितेन्द्रसिंह परमार समेत 30 लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया।

करोड़ों रुपए की रेत चोरी का पर्दाफाश होने और एसएमसी कार्यवाही की खबर लगते ही स्थानीय मोरबी जिला पुलिस और भूविज्ञानी समेत अधिकारियों में हड़कम्प मच गया। आमतौर पर जुआ-शराब के अड्डों के खिलाफ कार्यवाही करने वाले एसएमसी ने अब खनिज चोरों के खिलाफ कमर कस ली है। मोरबी से पहले गत फरवरी में एसएमसी की विभिन्न टीमों ने पोरबंदर-द्वारका हाईवे स्थित कुछडी गांव के तटिय क्षेत्र में चल रही खनिज चोरी का पर्दाफाश कर 33 लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। ये लोग समुद्र किनारे 15 खाडियों में बेला-चूना पत्थर की चोरी करते थे। पुलिस ने वाहनों समेत रु. 1.35 करोड़ का माल-सामान भी जब्त कर और तीन अलग अलग केस दर्ज किया था। इस मामले में कुछडी गांव के सरपंच नागाभाई समेत 8 खनिज मालिकों के नाम का खुलासा हुआ था। एसएमसी की कार्यवाही के बाद स्थानीय प्रशासन और नेताओं के अनुकंपा में चल रहे सभी गैरकानूनी खनन बंद हो गए हैं।

सोमनाथ तीर्थ क्षेत्र के सान्निध्य में 17 से 30 अप्रैल के तक सौराष्ट्र तमिल संगम का आयोजन

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेलने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक भारत-श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को साकार करने वाले सौराष्ट्र तमिल संगम के आयोजन की सोमवार को गांधीनगर में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में सर्वग्राही समीक्षा की। सदियों पहले अपने पैतृक वतन सौराष्ट्र से पलायन कर तमिलनाडु में बसे सौराष्ट्रवासियों के समुदाय ने अपनी मूल मातृभूमि के साथ जुड़े रह कर सांस्कृतिक ऐक्य, राष्ट्रीय एकात्मकता व भावात्मक एकता का विरल दृष्टांत प्रस्तुत किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस ऐतिहासिक व राष्ट्रीय एकता के महत्व को प्रेरक घटना के रूप में पुनः उजागर करने के लिए इस सौराष्ट्र तमिल संगम के समग्र आयोजन का विचार दिया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के दिशादर्शन में गुजरात सरकार ने केन्द्र सरकार के मंत्रालयों के साथ समन्वय में रह कर प्रधानमंत्री की संकल्पना को साकार करने के लिए इस सौराष्ट्र तमिल संगम को एक भारत-श्रेष्ठ भारत के महासंगम के रूप में मनाने का समयबद्ध तथा विस्तृत आयोजन किया है। इस समग्र आयोजन के सूक्ष्मतापूर्वक विचार-विमर्श तथा अधिक सुदृढ़ कार्ययोजना के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, सहकारिता एवं कुटीर उद्योग राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, मुख्य सचिव राज कुमार की उपस्थिति में सोमवार को उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की। इस समग्र कार्ययोजना में राज्य सरकार का पर्यटन विभाग नोडल एजेंसी के रूप में तथा सांस्कृतिक गतिविधि विभाग एवं अन्य विभाग सह-आयोजक के रूप में कार्यरत हैं।

बैठक में पर्यटन सचिव हारित शुक्ला ने मुख्यमंत्री के समक्ष प्रेज़ेंटेशन द्वारा सौराष्ट्र तमिल संगम की विस्तृत भूमिका दी। तद्अनुसार आगामी 17 से 30 अप्रैल के दौरान सोमनाथ तीर्थ क्षेत्र में यह भव्य कार्यक्रम आयोजित होने वाला है। इसमें सहभागी होने तथा भगवान सोमनाथ सहित द्वारिकाधीश के दर्शन का लाभ लेने वाले श्रद्धालुओं के लिए 14 अप्रैल से मदुरै से विशेष ट्रेन की शुरुआत होने वाली है। इस विशेष ट्रेन से लगभग 250 से 300 व्यक्तियों की एक-एक बैच गुजरात आएगी। सोमनाथ आने वाले सभी यात्रियों के लिए सोमनाथ महादेव के सामूहिक दर्शन-पूजन, लाइट एण्ड साउण्ड शो निदर्शन के अलावा हैण्डलूम व हैण्डीक्राफ्ट एक्सपो-शॉपिंग फेस्टिवल का आयोजन किया गया है।

सोमनाथ के समुद्र तट पर कबड्डी, खो-खो, रस्साखींच, वॉलीबॉल जैसे मनोरंजक व परम्परागत खेल भी आयोजित होने वाले हैं। इस उच्च स्तरीय बैठक में यह भी कहा गया कि राज्य सरकार के शिक्षा, उद्योग, युवा गतिविधि एवं सांस्कृतिक विभागों द्वारा थीम सेमिनार आयोजित कर सौराष्ट्र तमिल संगम में सहभागी यात्रियों को गुजरात के इन सभी क्षेत्रों की सर्वांगीण विकास यात्रा से अवगत कराया जाएगा। इतना ही नहीं, युवा खिलाड़ियों, व्यापार-उद्योग जगत से जुड़े व्यवसायियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों के साथ सम्बद्ध विषयों पर परस्पर संवाद तथा वैचारिक आदान-प्रदान भी किया जाएगा। सौराष्ट्र तमिल संगम में सहभागी होने वाले लोगों को सोमनाथ महादेव के अलावा द्वारिकाधीश मंदिर, नागेश्वर, शिवराजपुर बीच की यात्रा पर ले जाने का आयोजन किया गया है। इन प्रवासियों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से निर्मित सरदार पटेल की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी देखने के लिए भी ले जाया जाएगा। मुख्यमंत्री भपेंद्र पटेल ने ऐसी व्यापक कार्ययोजना बनाने के लिए मार्गदर्शक सुझाव दिए, जिससे यह सौराष्ट्र तमिल संगम एक भारत-श्रेष्ठ भारत का महासंगम बने।

जीआईडी एक्ट में लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर का प्राथमिकता क्षेत्र के तौर पर शामिल करने का निर्णय

अमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में हुई गुजरात इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड (जीआईडीबी) की 39वीं बोर्ड बैठक में जीआईडी अधिनियम में लॉजिस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर का प्राथमिकता क्षेत्र के तौर पर समावेश करने का निर्णय लिया गया। इसके चलते जीआईडीबी राज्य में निजी क्षेत्र की भागीदारी के साथ सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के जरिए बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट तेजी से शुरू कर सकेगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के अंतर्गत राज्यों का आह्वान किया है कि वे अपने इंटीग्रेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर मास्टर प्लान तैयार कर उसे कार्यान्वित करें। इस संदर्भ में गुजरात में जीआईडीबी पीएम गति शक्ति मास्टर प्लान प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन की नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। 1999 में गुजरात इंफ्रास्ट्रक्चर विकास अधिनियम (जीआईडी एक्ट) के अंतर्गत वैधानिक दर्जे के साथ कार्यरत किया गया गुजरात इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड राज्य में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के साथ ही बड़े पूंजी निवेशों की आवश्यकता वाली ढांचागत परियोजनाओं के लिए वित्तीय प्रवाह को और अधिक सुगम करता है। जीआईडीबी की यह 39वीं बैठक गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता और उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत एवं मुख्य सचिव श्री राज कुमार की प्रेरक उपस्थिति में हुई। बोर्ड की बैठक में हुई विस्तृत चर्चा के अनुसार गुजरात में गत वर्ष 6 अक्टूबर को पीएम गति शक्ति मास्टर प्लान पोर्टल को राष्ट्रीय स्तर पर लॉन्च किया गया है। जीआईडीबी ने भास्कराचार्य इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लीकेशन एंड जियो इंफॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी-एन) तथा अन्य विभागों के साथ मिलकर इस मास्टर प्लान पोर्टल पर लगभग 1100 विभिन्न डेटा एकीकृत किए हैं।

बोर्ड की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रीमती अवंतिका सिंह ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया कि जीआईडीबी स्टेट लॉजिस्टिक्स मास्टर प्लान और 8 महानगर पालिकाओं के साथ मिलकर सिटी लॉजिस्टिक्स मास्टर तैयार करने का काम कर रहा है। बैठक में उन्होंने कहा कि गति शक्ति इंटीग्रेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर के किसी भी क्षेत्र की इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट प्लानिंग कम समय मं् की जा सकती है। अंबाजी यात्राधाम का विकास प्लान तथा दहेज औद्योगिक क्षेत्र का डेवलपमेंट प्लान इसके उदाहरण हैं। गुजरात 1600 किलोमीटर लंबी रणनीतिक तटरेखा वाला राज्य है, इस संदर्भ में कोस्टल बेल्ट की तहसीलों के लिए एकीकृत क्षेत्र विकास योजना की तैयारियों के लिए कंसल्टटेंट या एडवाइजर के तयन के संबंध में भी जीआईडीबी की इस बोर्ड बैठक में परामर्श किया गया। इतना ही नहीं, नवलखी के निकट विशेष निवेश क्षेत्र (एसआईआर-सर) के विकास के लिए विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट (डीएफआर) तैयार करने के लिए सलाहकार के चयन का प्रस्ताव भी किया गया। बोर्ड बैठक में राज्य में वर्ष 2050 तक औद्योगिक उद्देश्य के लिए पानी की मांग की मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार करने के लिए सलाहकार के चयन की मंजूरी के लिए प्रस्ताव को सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई।

यूपी के माफिया अतीक अहमद को साबरमती जेल में अब मिलेगी 25 रुपए मजदूरी

अहमदाबाद। उमेश पाल किडनैपिंग केस में अहमदाबाद की साबरमती जेल में सश्रम आजीवन कारावास की सजा काट रहे उत्तर प्रदेश के माफिया अतीक अहमद की पहचान बदल गई है। जेल में अतीक अहमद अब कैदी नंबर 1 1052 के नाम से जाना जाएगा। अतीक अहमद की जेल में बैरक भी बदल गई है, उसे सजायाफ्ता कैदियों के पक्के बैरक में शिफ्ट कर दिया गया है। इतना ही नहीं अतीक अहमद के काम भी तय कर दिए गए हैं। साबरमती जेल में अतीक अहमद को झाड़ू-पोंछा करने, भैंसों को नहलाने के साथ ही बढ़ई काम भी करना होगा और इसके लिए उसे प्रति दिन रु. 25 की मजदूरी मिलेगी। इसके लिए जेल प्रशासन ने अतीक अहमद का बैंक अकाउंट भी खुलवा दिया है। इसी खाते में अतीक अहमद की मजदूरी के पैसे जमा करवाए जाएंगे। अतीक अहमद को अकुशल कारीगरों की श्रेणी में रखा गया है। अगर उसे कुशल कारीगरों की श्रेणी में रखा जाता तो प्रति दिन अतीक को रु. 40 मजदूरी मिलती। साबरमती जेल में अतीक अहमद को दो जोड़ी कपड़े दिए गए हैं, जिसमें सफेद रंग का कुर्ता-पैजामा, टोपी और गमछा शामिल है।

कभी अय्याशी की जिंदगी व्यतीत करने वाले अतीक अहमद को अब जेल में दाल-चावल और रोटी खानी पड़ रही है। बता दें कि प्रयागराज की एमपी एमएल कोर्ट ने उमेश पाल अपहरण कांड में अतीक अहमद को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उमेश पाल बीएसपी विधायक राजू पाल हत्याकांड का मुख्य गवाह था। 2005 में राजू पाल पाल की हत्या कर दी गई थी। 25 जनवरी 2006 को उमेश पाल का अपहरण कर लिया गया था। पिस्तौल की नोंक पर अतीक के गुर्गे उमेश पाल को अपनी ऑफीस में ले गए, जहां उसके बुरी तरह मारपीट की और हलफनामे पर हस्ताक्षर करवा लिए थे। जिसके बाद उसे कोर्ट में ले गए, जहां उमेश पाल ने अतीक पक्ष में बयान दिया था। हांलाकि घटना के एक साल बाद उत्तर प्रदेश में सरकार बदलने के बाद उमेश पाल ने अतीक अहमद, अशरफ अहमद समेत 11 लोगों के खिलाफ अपहरण, निर्दयतापूर्वक मारपीट करने का आरोप लगाते हुए केस दाखिल कराया था। अतीक और उसके गुर्गों के खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था। राजू पाल हत्याकांड में उमेश पाल कोर्ट में गवाही दे उससे पहले गत 24 फरवरी 2023 को उमेश पाल की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी।

गुजरात और दिल्ली एनसीआर में ग्रुप लैंडमार्क के स्वामित्व वाली वोक्सवैगन डीलरशिप ने 30 मार्च 2023 को एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए 100 से अधिक कारों की डिलीवरी की

अहमदाबाद। 30 मार्च 2023 को गुजरात और दिल्ली एनसीआर में ग्रुप लैंडमार्क के वोक्सवैगन डीलरशिप द्वारा 100 से अधिक वोक्सवैगन वितरित किए गए, जो एक अविश्वसनीय उपलब्धि है। डीलरशिप पर समर्पित टीम की मदद से एक ही दिन में रिकॉर्ड संख्या में कारों की डिलीवरी संभव हुई। इस उपलब्धि ने वोक्सवैगन इंडिया के नंबर 1 डीलर पार्टनर के रूप में ग्रुप लैंडमार्क की प्रतिष्ठा को भी मजबूत किया। ग्रुप लैंडमार्क 2008 से वोक्सवैगन के साथ साझेदारी कर रहा है। कंपनी का मानना है कि संबंध बनाने और वफादारी कायम करने के लिए उत्कृष्ट ग्राहक सेवा जरूरी है। इसलिए, टीम हर ऑपरेशन में ग्राहकों की अपेक्षाओं को पार करने का प्रयास करती है।

ताइगुन और वर्टस के लॉन्च से ब्रांड की लोकप्रियता में भारी उछाल देखा गया है। ये कारें कुछ अपेक्षित सुविधाओं से भरी हुई हैं। जब आप कोई वोक्सवैगन खरीदते हैं तो सुरक्षा मानक बन जाती है। न्यू ताइगुन ने वयस्क और बाल सुरक्षा दोनों के लिए ग्लोबल एनकैप रेटिंग में 5 स्टार हासिल किए। नवी वर्टस ने 11 से अधिक पुरस्कारों के साथ शो का ध्यान खींचा, जबकि ताइगुन ने 20+ से अधिक पुरस्कार जीते। वोक्सवैगन की हाई-एंड कारों में टिगुआन शामिल है जो 2 लीटर इंजन से लैस है।

अपने जर्मन-इंजीनियर इंजनों के साथ, वोक्सवैगन कारें अपनी निर्माण गुणवत्ता, सुरक्षा और ड्राइव करने में मज़ेदार होने के लिए प्रसिद्ध हैं, जिसे उनके गुणवत्ता निर्माण के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। सुरक्षा, दक्षता और लंबे समय तक चलने के लिए डिज़ाइन किए गए, इंजन ड्राइवरों को एक सहज, सुखद अनुभव प्रदान करते हुए एक लंबी, चिकनी और सुखद सवारी देने के लिए कॉन्फ़िगर किए गए हैं। वोक्सवैगन के लिए यह कुछ महीने रोमांचक रहे हैं क्योंकि इसे कॉर्पोरेट ग्राहकों, उद्यमियों, महिला पेशेवरों, एमएसएमई क्षेत्र के साथ-साथ अन्य बाजार खंडों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है जो इसके ग्राहक आधार को बनाते हैं। ग्राहकों ने वर्षों से उनकी कारों की विश्वसनीयता, प्रदर्शन और सामर्थ्य की प्रशंसा की है, जिससे वे एक लोकप्रिय विकल्प बन गए हैं।

इस उपलब्धि पर विचार करते हुए, ग्रुप लैंडमार्क के कार्यकारी निदेशक, आर्यमन ठक्कर ने कहा, "गुणवत्ता पर 25 वर्षों के ध्यान के बाद, ग्रुप लैंडमार्क ने व्यवसाय के हर पहलू में उत्कृष्टता के लिए एक मजबूत प्रतिष्ठा बनाई है। अपनी साझेदारी का लाभ उठाते हुए, हम ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ पेशकश कर सकते हैं। कार और सेवाएं प्रदान करें जो भारत में लक्जरी और प्रीमियम कारों के अग्रणी प्रदाता के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करता है। ग्रुप लैंडमार्क के व्यापक नेटवर्क और आनंदमय ग्राहक अनुभव के प्रमाण के रूप में, एक ही दिन में 100+ कारों को वितरित करने का वोक्सवैगन का नया मील का पत्थर इसका एक उदाहरण है। ब्रांड की सफलता।"

सूरत स्थित सहजानंद टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (STPL) और प्रौद्योगिकी संस्थाननिरमा यूनिवर्सिटी (ITNU) ने एक अहम एमओयू साइन किया

शिक्षा के क्षेत्र में एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपलब्धि में, सहजानंद टेक्नोलॉजीज, सूरत में स्थित औद्योगिक प्रौद्योगिकी समाधान के एक विश्व अग्रणी डेवलपर हैंप्राइवेट लिमिटेड (STPL) और प्रौद्योगिकी संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय (ITNU) दोनों संस्थानों के बीच सहयोग और ज्ञान साझा करने के लिए।सुविधा के लिए एमओयू साइन किया गया है। डॉ. राजेश एन. पटेल, निदेशक, प्रौद्योगिकी संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय और श्री त्रिनयनज्योति सैकिया, महाप्रबंधक एचआर, सहजानंद टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।STPL कंपनी इंडस्ट्रियल लेजर, डायमंड प्रोसेसिंग ऑटोमेशन, मेडिकल टेक्नोलॉजी और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग (3D प्रिंटिंग) के क्षेत्र में वैज्ञानिक है।तकनीकी समाधान विकसित करने में लगातार सबसे आगे। STPL के लेज़र-आधारित समाधानों ने भारत के हीरा प्रसंस्करण उद्योग को पूरी तरह से पुनर्जीवित कर दियाकर चुके है STPL इस क्षेत्र में अग्रणी और एकमात्र कंपनी है, जो हीरा प्रसंस्करण और इसके सुरक्षित व्यापार के सभी चरणों के लिए उन्नत समाधान प्रदान करती है।प्रदान करता है। चिकित्सा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, STPL ने स्वदेशी रूप से अत्यधिक कुशल चिकित्सा स्टेंट विकसित किए हैं, यह एक ऐसा कदम है जिसने भारत को दिया हैइसने स्टेंट के क्षेत्र को आत्मनिर्भर बना दिया है, बड़ी संख्या में लोगों की जान बचाई है और इलाज की लागत में काफी कमी आई है। इसी तरह एसटीपीएलएडिटिव मैन्युफैक्चरिंग को व्यापक रूप से अपनाने की दिशा में भारत का मार्गदर्शन करना। कंपनी ने भारत को वैश्विक पहचान भी दिलाई है। वर्तमान में एसटीपीएल 6महाद्वीपों और 30 से अधिक देशों में बड़ी संख्या में ग्राहक हैं।इस प्रकार STPL भारत के शिक्षा क्षेत्र को उन्नत, वैश्विक और उद्योग-केंद्रित तकनीकी जानकारी प्रदान करने में पूरी तरह से सक्षम है। भारत की एक जागृतिएक कॉर्पोरेट के रूप में, एसटीपीएल कंपनी हमेशा औपचारिक रूप से लॉन्च होने से पहले ही आत्मनिर्भर भारत मिशन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रही है।कोशिश कर रहा है।एमओयू पर बोलते हुए एसटीपीएल के सीईओ श्री राहुल गायवाला ने कहा, "आईटीएनयू के साथ एमओयू भारत का प्रमुख तकनीकी शैक्षणिक संस्थान है।STPL की विशेषज्ञता, अनुभव और अंतर्दृष्टि को साझा करने की दिशा में एक ठोस कदम यह पहल शिक्षा और उद्योग के बीच हैयह खाई को पाटने की दिशा में एक कदम है। ऐसी पहल नई प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं जो आर्थिक विकास को गति दे सकती हैं औरलोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)